www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 01 | जौनपुर, गुरूवार, 13 अगस्त 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

एफसीआरए बिल जेपीसी को भेजने पर संसद में टकराव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा में विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) बिल को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजे जाने के फैसले पर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने–सामने आ गए हैं। सरकार ने कहा कि व्यापक चर्चा के लिए बिल जेपीसी को भेजा गया है, वहीं विपक्ष ने इसे जल्दबाजी और निशाना साधने वाला कदम बताया। एक्जिक्यूटिव ब्रांच भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा, ष्एफसीआरए एक अहम बिल है। जाहिर है इसे जेपीसी के पास भेजा गया है। इस पर व्यापक बातचीत हो सके और संबंधित लोगों की राय ली जा सके। मुझे यकीन है कि जेपीसी की प्रक्रिया से यह बिल और भी मजबूत और बेहतर बनेगा, क्योंकि इसमें संबंधित लोगों से बातचीत होगी, ज्यादा आम सहमति बनेगी और बिल को और व्यापक बनाने के लिए विशेषज्ञों से भी सलाह ली जाएगी।ष्कांग्रेस सांसद केसी. वेणुगोपाल ने सरकार पर प्रक्रिया में पारदर्शिता न रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ष्यह बिल आखिरी समय में लाया गया है, गुरुवार को सत्र खत्म होने वाला है। बुधवार दोपहर 12 बजे हमें लोकसभा सचिवालय से संदेश मिला कि अमित शाह यह बिल पेश कर रहे हैं। लेकिन अमित शाह आज मौजूद भी नहीं हैं। राज्य मंत्री ने इसे जेपीसी को भेजने का प्रस्ताव रखा। हंगामे के बीच बिल को जेपीसी को भेज रहे हैं।ष टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा, ष्एफसीआरए बिल का सभी विपक्षी पार्टियां एकमत होकर विरोध कर रही हैं। यह बिल इसलिए लाया गया है ताकि भाजपा यह पक्का कर सके कि सारी फंडिंग सिर्फ आरएसएस को ही मिले। आरएसएस को एक एनजीओ माना जाता है, लेकिन यह रजिस्टर्ड नहीं है। आरएसएस के पास दिल्ली के हर जिले में हजारों करोड़ की प्रॉपर्टी है। इसका कोई ऑडिट नहीं होता। इसकी कोई जांच–पड़ताल नहीं होती। महुआ मोइत्रा ने आगे आरोप लगाया, ष्एफसीआरए का मकसद हर एनजीओ और हर चौरिटेबल ऑर्गनाइजेशन की फंडिंग रोकना है, खासकर उन संगठनों की जो अलग–अलग धर्मों, जैसे ईसाई या मुस्लिम धर्म से जुड़े हैं।

यूपी चुनाव से पहले महिलाओं पर योगी सरकार का बड़ा दांव

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में अगले विधानसभा चुनाव से पहले योगी आदित्यनाथ सरकार महिलाओं को लेकर बड़ी आर्थिक सहायता योजना पर विचार कर रही है। प्रस्तावित योजना के तहत 50 लाख से अधिक महिलाओं को कुल 50–50 हजार रुपये तक की आर्थिक मदद दिए जाने की तैयारी की जा सकती है। हालांकि, योजना को लेकर अभी सरकार के स्तर पर मंथन चल रहा है और अंतिम फैसला होना बाकी है। प्रस्तावित व्यवस्था के मुताबिक, चुनाव से पहले पात्र महिलाओं को 20 हजार रुपये की शुरुआती किस्त दी जा सकती है। इसके बाद यदि चुनाव में भाजपा की सरकार बनती है, तो 10–10 हजार रुपये की तीन और किस्तें देने का प्रावधान किया जा सकता है। इस तरह लाभार्थी महिलाओं को कुल 50 हजार रुपये की सहायता मिलने की संभावना है।उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव अगले साल जनवरी–फरवरी के आसपास होने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में सरकार की ओर से महिला मतदाताओं को ध्यान में रखकर आर्थिक सहायता, स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता से जुड़ी योजनाओं पर जोर देने की तैयारी बताई जा रही है। प्रस्तावित योजना को महिला कल्याण विभाग के माध्यम से आगे बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है। इसका उद्देश्य महिलाओं को सीधे आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ उन्हें स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना बताया जा रहा है।योजना में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को प्राथमिकता दिए जाने की संभावना है। प्रस्तावित ढांचे के मुताबिक, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति परिवारों की महिलाओं के साथ गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों की महिलाओं को भी इसमें शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा ऐसे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की महिलाओं को भी लाभ देने पर विचार किया जा रहा है, जिनकी वार्षिक आय 12 लाख रुपये से अधिक नहीं है। हालांकि, पात्रता की अंतिम शर्तें और लाभार्थियों की संख्या सरकार की मंजूरी के बाद ही स्पष्ट होगी।उत्तर प्रदेश में प्रस्तावित योजना की चर्चा ऐसे समय हो रही है, जब भाजपा ने बिहार विधानसभा चुनाव में महिलाओं को केंद्र में रखकर आर्थिक सहायता की रणनीति अपनाई थी।

मुंबई लोकल के लिए 238 नई एसी ट्रेन को मंजूरी, 2027 तक आईसीएफ–आरसीएफ–एमसीएफ में होगा उत्पादन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेनों के लिए केंद्र सरकार ने बड़ी घोषणा की है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुंबई एसी लोकल के लिए 238 नई ट्रेनों को मंजूरी देने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब इन ट्रेनों का निर्माण तेज गति से किया जाएगा, ताकि यात्रियों को 2027 तक पहली एसी लोकल मिल सके। रेल मंत्री ने एक वीडियो जारी कर कहा, ष्लोकल मुंबई की लाइफलाइन है। मुंबई लोकल में 238 एसी ट्रेन को शामिल करने की भारत सरकार ने मंजूरी दी है। इनके लिए जिस तरह की प्रक्रिया पहले अपनाई जा रही थी, उसमें काफी दिक्कत आ रही थी। पूरी प्रक्रिया 2030 तक पूरी होती, जो कि मान्य नहीं था।ष्उन्होंने बताया, ष्प्रक्रिया में देरी के कारण सरकार ने अब नया तरीका अपनाया है। इसलिए आज एक नया फैसला लिया गया कि एक नई तरीके से भारत सरकार की कोच प्रोडक्शन टीम है, आईसीएफ, आरसीएफ और एमसीएफ, इसमें इसका प्रोडक्शन किया जाएगा, जिससे 2027 तक पहली एसी लोकल ट्रेन आ सके।ष पश्चिम रेलवे के अनुसार, 238 एसी ट्रेनों की मंजूरी से मुंबई लोकल में भीड़ कम होगी और यात्रियों को गर्मी में राहत मिलेगी। मौजूदा समय में मुंबई में सीमित संख्या में ही एसी लोकल चल रही हैं, जिनकी मांग लगातार बढ़ रही है।इससे पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उत्तरी कर्नाटक और काशी के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने का भी भरोसा दिलाया है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को नई दिल्ली में वैष्णव से मुलाकात कर हुबली–वाराणसी ट्रेन सेवा की फ्रीक्वेंसी बढ़ाने का अनुरोध किया था।

संसद का मानसून सत्र समाप्त, दोनों सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारी हंगामे और गतिरोध के बीच संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। इसके साथ ही संसद का मानसून सत्र औपचारिक रूप से समाप्त हो गया। आज मानसून सत्र का अंतिम दिन था। लोकसभा में जैसे ही कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी दलों के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। भारी शोर–शराबे के बीच लोकसभा की कार्यवाही लगभग 11:05 बजे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। आमतौर पर सदन की कार्यवाही शाम तक चलती है, लेकिन आज सुबह ही स्थगन हो गया। इस दौरान सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। राज्यसभा में मानसून सत्र के आखिरी दिन 'खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026' पारित हो गया। इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हल्द्वानी में उनके कार्यक्रम के बाद कथित शुद्धिकरण अनुष्ठान का मुद्दा उठाया। इस मुद्दे पर हंगामे के तत्काल बाद राज्यसभा की कार्यवाही भी अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। दोनों सदनों के अनिश्चितकालीन स्थगन के साथ संसद का मानसून सत्र समाप्त हो गया। सत्र के दौरान कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा और विधेयक पारित होने के बावजूद आखिरी दिन भारी हंगामे के कारण सामान्य कार्यवाही नहीं हो सकी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने आवास पर फहराया तिरंगा, 'हर घर तिरंगा' अभियान में देशभक्ति की नई लहर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के बीच गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने आवास पर 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में शुरू हुए इस अभियान ने देशभर के नागरिकों में देशभक्ति और गौरव की भावना को और प्रबल किया है। अमित शाह ने लिखा, "आज नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर मैंने अभियान के अंतर्गत तिरंगा फहराया। यह अभियान आज करोड़ों भारतीयों को तिरंगे से जोड़ रहा है और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को सशक्त बना रहा है।" इस अवसर पर कई केंद्रीय मंत्रियों ने भी अभियान में सक्रिय भागीदारी दिखाई। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने 'हर घर तिरंगा 2026' के तहत आयोजित तिरंगा रैली को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने एक्स पर लिखा, "हाथों में तिरंगा, दिलों में वंदे मातरम। यह यात्रा भारत की आत्मा का उत्सव मना रही है। हर घर तिरंगा' अभियान मूल रूप से 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य आम नागरिकों को घर–घर तिरंगा लाने और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उसे गर्व से फहराने के लिए प्रेरित करना है। भारत इस वर्ष अपने 80वें स्वतंत्रता दिवस की तैयारी कर रहा है। इस बार के समारोहों में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ को विशेष रूप से याद किया जाएगा। 'हर घर तिरंगा 2026' के तहत तिरंगा रैलियां, जुलूस, प्रदर्शनियां, संगीत कार्यक्रम, बाइक और साइकिल रैलियां, महत्वपूर्ण स्थलों पर तिरंगे के रंग की लाइटिंग, सजावट और रंगोली प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। "तिरंगा सैल्यूट टू द स्पिरिट ऑफ वंदे मातरम" थीम के साथ–साथ लोकप्रिय "सेल्फी विद तिरंगा" पहल भी जारी रहेगी।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने 'हर घर तिरंगा' अभियान में लिया हिस्सा, अपने आवास पर फहराया राष्ट्रीय ध्वज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के बीच 'हर घर तिरंगा' अभियान जोर पकड़ रहा है। इसी सिलसिले में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर गुरुवार को अभियान से जुड़े। विदेश मंत्री ने अपने आवास पर लहराते तिरंगे की तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की। कैप्शन में उन्होंने लिखाकृ"हर घर तिरंगा।" विदेश मंत्रालय ने भी उनकी इस पोस्ट को री–शेयर करते हुए लिखा, "हर दिल में तिरंगा, हर घर में तिरंगा।" 'हर घर तिरंगा' अभियान आजादी का अमृत महोत्सव के तहत शुरू किया गया था। इसका मकसद नागरिकों को अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज लगाने और स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करना है। इसके जरिए राष्ट्रीय ध्वज के साथ लोगों का रिश्ता सिर्फ औपचारिक या संस्थागत न रहकर व्यक्तिगत गर्व और सम्मान की अभिव्यक्ति बने। तिरंगा देश से व्यक्तिगत जुड़ाव का प्रतीक बने और राष्ट्र निर्माण व राष्ट्रीय एकता के सामूहिक संकल्प को मजबूत करे। वर्ष 2026 में 'हर घर तिरंगा' अभियान को 'वंदे मातरम के 150 साल' की भावना को समर्पित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को देशवासियों से 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाने, स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने और अभियान में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की थी। इंस्टाग्राम रील्स में उन्होंने कहा था, "15 अगस्त को गौरव के साथ मनाएं, स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दें, विकसित भारत का संकल्प लें। हर घर तिरंगा, घर घर तिरंगा, हर मन तिरंगा।" इसके अलावा कैप्शन में पीएम मोदी ने लिखा था, "आइए, हर घर तिरंगा को हर घर का उत्सव बनाएं।" एक्स पर भी प्रधानमंत्री ने लिखा, "हमारा तिरंगा हमारा गर्व है और देश के लिए हमेशा सर्वश्रेष्ठ देने की प्रेरणा का स्रोत है। आइए 'हर घर तिरंगा' आंदोलन में उत्साह से भाग लें और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने के अपने सामूहिक संकल्प को दोहराएं।" देशभर में लोग इस अभियान से जुड़ रहे हैं और स्वतंत्रता दिवस से पहले तिरंगा फहराने की लहर तेज होती जा रही है।

मानसून सत्र को लेकर रविशंकर प्रसाद का राहुल गांधी पर हमला, अहंकार का लगाया आरोप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। रविशंकर प्रसाद ने कहा, ष्मानसून सत्र एक नेता के अहंकार, अनुशासनहीनता और उदंडता की भेंट चढ़ गया। बिना परमिशन लिए राहुल गांधी प्रधानमंत्री के निवास के गेट पर बैठ गए। जब सरकार की ओर से चर्चा के लिए कहा गया, तो उन्होंने कहा कि हमें इस्तीफा चाहिए। सरकार ने नीट पर बहुत कड़ा कानून बनाया। फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था की गई। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद उनकी ओर से दूसरी मांगें कर दी गईं। भाजपा सांसद ने कहा कि राहुल गांधी की ओर से बार–बार कहा जा रहा था कि पुलिस की कार्रवाई पर गृह मंत्री जवाब दें। कल गृह मंत्री की ओर से कहा गया कि मैं 24 घंटे पूरी बहस सुनने को तैयार हूं और उनके सारे तर्कों का जवाब देने को तैयार हूं। घटना को लेकर एक–एक बिंदु पर जवाब दूंगा। किरेन रिजिजू की ओर से सदन में भी इस बात को उठाया गया। स्पीकर की ओर से बहस कराने को कहा गया तब उनकी (राहुल गांधी) की ओर से मूर्खतापूर्ण कमेंट किया गया। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी को गवर्नेंस की बेसिक समझदारी नहीं है क्या? कभी गृह मंत्री के आदेश पर गोली चलती है क्या? अमित शाह 24 घंटे बैठने को तैयार हैं। इसके बाद भी उन्होंने (राहुल गांधी) कहा कि हमें उनका (गृह मंत्री) इस्तीफा चाहिए। जब गृह मंत्री बहस को तैयार हैं, तब राहुल गांधी ने कहा कि उनकी बात को सुनना क्या? भाजपा नेता ने कहा कि राहुल गांधी की उदंडता से देश की राजनीति नहीं चलेगी।

सीमाएं राज्यों को बांट सकती हैं, दिलों को नही – हिमंता बिस्वा सरमा

असम, (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने गुरुवार को कहा कि असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच ऐसा रिश्ता है जो उनकी अंतरराज्यीय सीमाओं से कहीं आगे का है। उन्होंने कहा कि दोनों सरकारें बातचीत और आपसी समझ से सीमा से जुड़े बाकी मतभेदों को सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में सीएम सरमा ने कहा कि असम और अरुणाचल प्रदेश के लोगों के बीच पीढ़ियों से करीबी रिश्ते रहे हैं। उन्होंने दोनों राज्यों के बीच के रिश्ते को प्यार, स्नेह और आपसी सम्मान पर आधारित बताया। मुख्यमंत्री ने कहा, "असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच एक ऐसा बंधन है जो सीमाओं से कहीं आगे है। पीढ़ियों से हमारे लोग प्यार, स्नेह और आपसी सम्मान के साथ भाई–बहन की तरह रह रहे हैं।" सरमा ने कहा कि हाल के वर्षों में पूर्वोत्तर के इन पड़ोसी राज्यों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को सुलझाने में काफी प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर मतभेदों को दोनों सरकारों के बीच बातचीत और दोस्ती के जरिए सुलझा लिया गया है। उन्होंने कहा, "अब सिर्फ 52 गांव बचे हैं और दोनों सरकारें विवाद को पूरी तरह से सुलझाने के लिए इसी भावना के साथ बातचीत जारी रखेंगी।" असम के मुख्यमंत्री ने अंतरराज्यीय सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों से शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील की और जोर दिया कि इस विवाद का असर दोनों राज्यों के लोगों के बीच पारंपरिक रूप से करीबी रिश्तों पर नहीं पड़ना चाहिए। सीएम सरमा ने कहा, "मैं असम और अरुणाचल के लोगों से शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील करता हूं। सीमाएं भले ही हमारे राज्यों को तय करती हों, लेकिन वे हमारे दिलों को कभी नहीं बांट सकतीं।" असम–अरुणाचल प्रदेश सीमा विवाद पूर्वोत्तर में लंबे समय से चले आ रहे अंतर्राज्यीय सीमा मुद्दों में से एक है। हालांकि, दोनों राज्यों ने हाल के वर्षों में संस्थागत तंत्र और बातचीत के जरिए मतभेदों को सुलझाने की कोशिशें तेज कर दी हैं।

राजधानी की सबसे बडी कालोनी इंदिरा नगर के सेक्टर ए, बी और सी में समस्याओं का अंबार, जिम्मेदार पार्षद,जन प्रतिनिधि अधिकारी व कर्मी मौन

(दीपक श्रीवास्तव
ब्यूरो चीफ लखनऊ)

लखनऊ। राजधानी की सबसे बड़ी आवासीय कॉलोनियों मे शामिल इंदिरा नगर के सेक्टर ए, बी और सी में इस समय नागरिक समस्याओं का अंबार लगा हुआ है।स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क, नाली, सीवर की समस्या के साथ जल निकासी,साफ–सफाई और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं।लेकिन इस गंभीर समस्या पर जिम्मेदार विभागों के अधिकारी कर्मचारी संबंधित पार्षद जनपद में ध्यान नहीं दे रहे हैं।लोगो का कहना है किबारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो जाती है।कई स्थानों पर जलनिकासी की व्यवस्था प्रभावित होने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है।वहीं नालियों और सीवर व्यवस्था की स्थिति को लेकर भी स्थानीय निवासी चिंतित हैं।लोगों का कहना है कि समस्या सामने आने के बाद कुछ समय के लिए खानापूर्ति होती है,लेकिन स्थायी समाधान नहीं किया जाता। स्थानीय निवासियों का सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब नगर निगम और संबंधित विभागों के अधिकारी समय–समय पर क्षेत्र का निरीक्षण करते हैं और समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए जाते हैं, तो फिर सेक्टर ए, बी,और सी में हालात पूरी तरह क्यों नहीं सुधर रहे हैं?इंदिरा नगर में सीवर ओवरफ्लो, पेयजल की गुणवत्ता और जलापूर्ति से जुड़ी समस्याएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। नगर निगम की बैठकों में भी शहर के विभिन्न क्षेत्रों से सीवर और पेयजल संबंधी शिकायतों पर चर्चा हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पार्षद से लेकर नगर निगम और संबंधित विभाग के अधिकारियों का ध्यान इस गंभीर समस्या पर नहीं जा रहा है जिसके चलते कई समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। लोगों में इस बात को लेकर नाराजगी है कि आखिर शिकायतों के बाद जिम्मेदारी किसकी है और जवाबदेही किसकी तय होगी। लोगों का कहना है कि चुनाव के समय नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता देने के वादे किए जाते हैं,लेकिन रोजमर्रा की मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए उन्हें बार–बार अधिकारियों के चक्कर लगाने पड़ते हैं।

संपादकीय

छात्रों की मांग

झारखंड सरकार को छात्रों के प्रति संवेदनशील रुख अपनाना चाहिए। कांग्रेस जैसे उसके सहयोगी दलों पर भी ये जिम्मेदारी है कि वे अलग मिसाल पेश करें, ताकि विपक्ष–पक्ष का फर्क (अगर है, तो) जाहिर हो सके। श्कॉकरोचच्य आंदोलन से केंद्र में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के लिए चुनौतियां खड़ी हुईं, जिसमें विपक्षी दलों ने अपना फायदा देखा हो, तो वह लाजिमी ही है। लेकिन इन दलों को यह अवश्य ध्यान में रखना चाहिए कि युवा आक्रोश राजनीतिक दायरे में बंधा हुआ नहीं है। इसकी जड़ें बढ़ती गई अवसरहीनता, जवाबदेही का अभाव और शासकीय असंवेदनशीलता से बने दमघोंटू माहौल में छिपी हैं। इसलिए जिन राज्यों में गैर–भाजपा सरकारें हैं, और वहां ऐसे मुद्दे उठते हैं, तो वहां की सरकारों को उत्तरदायी और सहानुभूतिपूर्ण रुख अपनाना चाहिए। मगर झारखंड के छात्र– नौजवानों की शिकायत है कि हेमंत सोरेन उनकी मांगों के प्रति असहनशील बनी हुई है। रांची में 29 जुलाई से सिविल सेवा और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों का प्रदर्शन जारी है। महीने भर पहले झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट आने के बाद से यह विवाद शुरू हुआ। इस परीक्षा में गड़बड़ियों का आरोप है। साथ ही झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा–2025 की प्रारंभिक परीक्षा में भी धांधली के आरोप लगे हैं। जेपीएससी परीक्षा कांड में कई लोग गिरफ्धतार हुए हैं, लेकिन छात्रों की मांग है कि ये परीक्षा रद्द की जानी चाहिए। छात्र संगठनों ने परीक्षा धांधली की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग भी की है। इसके अलावा वो तमाम शिकायतें भी उभर कर सामने आई हैं, जिनकी चर्चा श्कॉकरोचच्य आंदोलन के दौरान हुई। मसलन, छात्रों की शिकायत है कि झारखंड में भर्ती परीक्षाएं नियमित रूप से नहीं होतीं। कई बार परीक्षाओं को पिछले साल की भर्ती से जोड़ दिया जाता है, जिसका असर उम्मीदवारों की उम्र सीमा पर असर पड़ता है। भाजपा शासित राज्यों में ऐसी शिकायतों के प्रति बेरहम रुख देखने को मिला है। वैसा ही नजरिया गैर–भाजपा सरकारें भी अपनाती हैं, तो युवा आक्रोश के केंद्र में पूरा राजनीतिक तबका आ सकता है। इसलिए झारखंड सरकार को छात्रों के प्रति अधिक संवेदनशील नजरिया अपनाना चाहिए। कांग्रेस जैसे उसके सहयोगी दलों पर भी ये जिम्मेदारी है कि वे झारखंड में अलग मिसाल कायम करें, ताकि विपक्ष और पक्ष का फर्क (अगर है, तो) जाहिर हो सके।

छत्तीसगढ़ का लोक-पवरू हरेली तिहार

धनंजय राठौर

छत्तीसगढ़ी संस्कृति में लोक–त्योहारों की एक समृद्ध परंपरा रही है, जिसमें प्रकृति, कृषि और जीव–जंतुओं के प्रति गहरा सम्मान झलकता है। इन्हीं त्योहारों में सबसे पहला और प्रमुख त्यौहार है कृ हरेली तिहार। सावन माह की अमावस्या (हरियाली अमावस्या) को मनाया जाने वाला यह पर्व छत्तीसगढ़ के लोक–जीवन, कृषि परंपरा और पर्यावरण–प्रेम का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ की पहचान सिर्फ उसकी प्रकृति नहीं, बल्कि उसकी समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराएँ भी हैं। छत्तीसगढ़ के लोक जीवन में पर्व और त्यौहारों की बहुलता है। प्रत्येक माह कोई न कोई त्यौहार यहाँ लोक मानस को अपने रंग में रंग लेता है। ये त्यौहार जहॉ लोक जीवन में हंसी–खुशी के अवसर उपलब्ध कराती हैं, वहीं खेल और मनोरंजन के अनुकूल साबित होते हैं। प्रकति का यह हरापन छत्तीसगढ़ के लोक जीवन में भी पूरी समाहित है। हरेली, भोजली, जँवारा हो या बसंत पंचमी सभी पर्वों में प्रकृति का मनोरम और इसका अप्रतिम सौंदर्य झलकता है। इस रूप–सौंदर्य में जीवन की चारों अवस्थाओं का उल्लास और उत्साह विविध रंगों में बिखरा हुआ है। शायद श्हरेलीच्य का हरापन हमारी परंपराओं में हमारे संस्कारों में और हमारे लोक जीवन में प्राकृतिक हरीतिमा का ज्यादा एहसास कराता है। हरेली का यह हरापन सबके जीवन में बिखरे और निखरे यही कामना है। यह भी कामना है कि भौतिकता की चकाचौंध से परे हमारी खेल परंपराएँ जीवित रहे ताकि माटी से जुड़े ग्रामीणजन शारीरिक और मानसिक दृष्टि से सुदृढ़ रहें। माटी की सोंधी–सोंधी महक हमारे लोक गीतो से आती रहे और खेल परंपरा की यह अविरल धारा निरंतर गतिमान रहे। 1. हरेली शब्द का अर्थ और महत्व हरेली शब्द हरियाली से बना है। सावन के महीने में जब चारों तरफ खेतों और मैदानों में हरी–भरी फसलें और हरियाली लहलहाने लगती है, तब किसान इस पर्व को उल्लासपूर्वक मनाते हैं। इसे छत्तीसगढ़ का पहला तिहार माना जाता है, जहाँ से राज्य के प्रमुख लोक–पर्वों की श्रृंखला शुरू होती है। 2. कृषि उपकरणों और पशुधन की पूजा हरेली का दिन मुख्य रूप से कृषकों और कृषि से जुड़े साधनों का धन्यवाद ज्ञापित करने का दिन है। कृषि यंत्रों की पूजारू– हरेली की जड़ें छत्तीसगढ़ क्षेत्र की कृषि विरासत में गहराई से जुड़ी हुई हैं। यह एक उत्सव होने के साथ–साथ एक आध्यात्मिक भेंट भी है, लोगों के लिए प्रकृति, बारिश और अपने कृषि कार्य को सम्पन्न करने के बाद किसान अपने औजार, हल, फावड़ा, कुदाल, कुदाली, कुम्हड़ी, बिन्धना, बसुला, हथौड़ी, आरी,असिया, पैसुल, छूरा, खुर्पी आदि को धोकर स्वच्छ मिट्टी (मुरमी) का आसन से सजाकर किसान–किसानिन पूजा सामग्री रखकर धुले हुए चांवल आटे से हाथा लगाकर चन्दन, फूल, धुप–दीप व चीला रोटी से भोग लगाकर श्रीफल अर्पित करते हैं एवं भाव विभोर हो प्रार्थना करते हैं – श्हे बलराम रूपी हल प्रचण्ड शक्ति के प्रतीक धारापति, आपने कंधा के रूप में माता को संवारा एवं सेवा करने में हमारी सहायता की कृषि कार्य बोनी ब्यासी रोपा के होते ही चहूओर हरियाली छाई इसके लिए कोटिशरू धन्यवाद आपका कार्य सम्पन्न हुआ विश्राम करे। हमने आपको बड़ा कष्ट दिया, काम लिया, हमें क्षमा करें। आपकी दया हम पर सदैव बनी रहे, इसी प्रकार अन्य औजारों का कार्यानुसार निवेदन करते गेड़ी की पूजा कर शरीर के सामर्थ पैरो की रक्षा की कामना करते हैं। पशुधन का सत्काररू पशुधन किसानों की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत में किसान मिश्रित कृषि प्रणाली अपनाते हैं, जिसमें फसल और पशुधन का संयोजन होता है। छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में लोग कम पढ़े–लिखे और अकुशल होने के कारण अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर हैं। बैल छत्तीसगढ़ कृषि की रीढ़ हैं। किसान, विशेषकर सीमांत और लघु किसान, जुताई, ढुलाई और उत्पादन और इनपुट दोनों के परिवहन के लिए बैलों पर निर्भर रहते हैं। खेती–किसानी के सच्चे साथी यानी गाय और बैलों की विशेष सेवा की जाती है। उन्हें नहला–धुलाकर आरती उतारी जाती है तथा गहूंता (आटा, नमक और जड़ी–बूटी से बना पौष्टिक मिश्रण) खिलाया जाता है, ताकि वे रोगों से मुक्त रहें। जड़ी बुटियों से तैयार औषधि को गौठान में ले जाकर अन्डी एवं खम्हार के पत्तों में नमक, चावल या गेहूँ के गोला के साथ दवा डाल कर पशुओं को खिलाया जाता है। अरण्ड, खम्हार का पत्ता औषधि है, जो वायुजनित रोगों को दूर करता है। नमक उत्प्र इस पर्व में गेंड़ी का काफी महत्व है बांस के मोटे डंडो एवं बांस के पहुये को विशेष विधि से कस कर बांधा जाता है। गेड़ी का उदारण हमें पुराणों में मिलता है। बलदाऊ–कृष्ण अपने सखाओं के साथ गेड़ी चढ़ा करते थे। कृष्ण लीला प्रसंग में इसका उदाहरण मिलता है तथा खेलों का आयोजन भी होते रहे हैं, जिसमें गेड़ी दौड़, पानी पिलाना, एक पैर में खड़े होना, एक पैर में कूदना आदि अनेक खेल का आयोजन प्राचीन काल से अब तक होते आ रहे हैं। बारिश के मौसम में कीचड़ और पानी से भरे रास्तों पर चलने के साधन के रूप में शुरू हुई यह परंपरा आज एक मनोरंजक खेल बन चुकी है।

भागवत की नजरों में जेन–जी आंदोलन का दृष्टिकोण

ललित

शैली, नेतृत्व और उसके राजनीतिक इस्तेमाल पर भी बहस हो सकती है, लेकिन एक बुनियादी सत्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात कहने, असहमति व्यक्त करने और शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने का अधिकार है। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का युवाओं और विशेषकर जेन–जी को लेकर दिया गया दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है। उन्होंने साफ कहा कि नई पीढ़ी सवाल करती है, तर्कसंगत उत्तर चाहती है, उसे केवल आदेश देकर नहीं समझाया जा सकता। उनके अनुसार आज जरूरत 'डिक्टेशन' की नहीं, 'डिस्कशन' की और आदेश की नहीं, सहमति की है। भागवत ने हाल में इससे भी आगे बढ़कर कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध माध्यम है और जेन–जी के आंदोलन में उठाई गई शिकायतें जायज हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी कह देना उचित नहीं है। उनका मानना है कि आंदोलन का उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना नहीं, बल्कि सहमति और समाधान की दिशा में आगे बढ़ना होना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत और छात्रों की नाराजगी के बीच संबंध की ओर भी उन्होंने संकेत किया। भागवत के इस दृष्टिकोण की सराहना इसलिए भी की जानी चाहिए कि यह केवल किसी एक आंदोलन या किसी एक सरकार का प्रश्न नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की उस मूल आत्मा को स्पर्श करता है, जिसमें सत्ता जनता से शक्ति प्राप्त करती है और जनता की आवाज सुनना उसकी संवैधानिक तथा नैतिक जिम्मेदारी है। विरोध को हमेशा विद्रोह मान लेना लोकतंत्र की समझ को संकुचित करना है। असहमति को राष्ट्रविरोध समझना उससे भी बड़ी भूल है। राष्ट्र सरकार से बड़ा है और लोकतंत्र सत्ता से बड़ा। जो नागरिक देश के भविष्य को लेकर सवाल करता है, वह जरूरी नहीं कि देश का विरोध कर रहा हो, कई बार वह देश को बेहतर बनाने की बेचौनी व्यक्त कर रहा होता है। आजादी की वर्षगांठ के अवसर पर जब हम स्वतंत्र भारत की उपलब्धियों का उत्सव मनाते हैं, तब हमें यह भी पूछना चाहिए कि हमारी आजादी का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या आजादी केवल तिरंगा फहराने, राष्ट्रगान गाने और स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने तक सीमित है? या इसका अर्थ यह भी है कि देश का युवा अपने भविष्य को लेकर सवाल कर सके, व्यवस्था की कमियों की ओर ध्यान आकर्षित कर सके और अपनी बात बिना भय के रख सके? यदि हम सचमुच विकसित भारत, समृद्ध भारत और शक्तिशाली भारत का सपना देखते हैं तो हमें भारत के युवाओं के सपनों को सुनना ही होगा। भारत के महान चिंतकों ने युवाशक्ति को राष्ट्रनिर्माण का आधार माना है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को जागने, अपनी शक्ति पहचानने और लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया था। उनके चिंतन का मूल संदेश यही था कि युवा केवल राष्ट्र का भविष्य नहीं, वर्तमान की सक्रिय शक्ति भी हैं। महात्मा गांधी का विश्वास था कि परिवर्तन केवल सत्ता के गलियारों से नहीं आता, वह जागरूक नागरिकों की चेतना से आता है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने बार–बार युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके लिए सपना वह नहीं था जो सोते समय दिखाई देता है, बल्कि वह था जो व्यक्ति को सोने नहीं देता। आज के युवाओं की बेचौनी को इसी दृष्टि से समझने की आवश्यकता है। नई पीढ़ी और पिछली पीढ़ी के बीच अंतर स्वाभाविक है। पहले परिवार, विद्यालय और समाज में 'क्यों' पूछने की गुंजाइश कम थी, बड़े जो कहते थे, उसे मान लेना संस्कार समझा जाता था। आज का युवा प्रश्न करता है–क्यों, कैसे और किसलिए? वह केवल परंपरा के नाम पर किसी बात को स्वीकार नहीं करता। वह प्रमाण चाहता है, तर्क चाहता है और परिणाम देखना चाहता है। यह बदलाव चुनौती भी है और अवसर भी। यदि हम इस प्रश्नाकुलता को दबाएंगे तो कुंठा पैदा होगी, यदि इसे सही दिशा देंगे तो यही प्रश्न नवाचार, अनुसंधान और राष्ट्रनिर्माण की शक्ति बनेंगे। विचारों के टकराव से घबराने की जरूरत नहीं है। भारतीय संस्कृति स्वयं 'वादे वादे जायते तत्त्वबोधः' की संवाद परंपरा से विकसित हुई है। उपनिषदों में प्रश्न हैं, उत्तर हैं, पुनः प्रश्न हैं। भगवान महावीर की अनेकांत दृष्टि हमें सिखाती है कि सत्य को एकांगी दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। एक ही विषय के अनेक पक्ष हो सकते हैं। इसलिए बहस लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी बौद्धिक ताकत है। समस्या बहस में नहीं, बहस के हिंसक हो जाने में है, समस्या असहमति में नहीं, असहमति के नाम पर अराजकता में है। इसीलिए भागवत की बात का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है–विरोध संविधान की मर्यादा में हो, शांतिपूर्ण हो और उसका लक्ष्य व्यक्ति को अपमानित करना नहीं, व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन लाना हो। आंदोलन लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन लोकतांत्रिक अनुशासन के साथ। सरकार की आलोचना लोकतंत्र है, हिंसा लोकतंत्र नहीं। प्रश्न करना स्वतंत्रता है, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना स्वतंत्रता नहीं। इसलिए सरकार और आंदोलनकारी–दोनों की जिम्मेदारियां हैं। लेकिन सरकार की जिम्मेदारी अधिक बड़ी है, क्योंकि उसके पास सत्ता, प्रशासन और संस्थागत शक्ति होती है। किसी छात्र की आवाज को लाठी से दबाया जा सकता है, लेकिन उसकी आशंका को लाठी से समाप्त नहीं किया जा सकता। किसी आंदोलनकारी को राष्ट्रविरोधी कह देने से उसका प्रश्न समाप्त नहीं हो जाता। यदि उसकी मांग गलत है तो तथ्य और तर्क से उसे गलत सिद्ध किया जाए। यदि मांग सही है तो उसे स्वीकार करने में संकोच क्यों? लोकतंत्र में सरकार का सबसे प्रभावी हथियार पुलिस नहीं, संवाद है। यहां मोहन भागवत की भूमिका एक मार्गदर्शक की तरह दिखाई देती है। उन्होंने अनेक अवसरों पर केवल प्रशंसा करने के बजाय व्यापक सामाजिक हित के प्रश्न उठाए हैं। जब सत्ता या व्यवस्था किसी दिशा में आवश्यकता से अधिक आगे बढ़ती दिखाई देती है, तब एक जिम्मेदार मार्गदर्शक का दायित्व होता है कि वह उसे आत्ममंथन की ओर ले जाए। भागवत की यह भूमिका हमें महाभारत के भीष्म पितामह की याद दिलाती है–ऐसे व्यक्ति की, जो सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी समय–समय पर धर्म, मर्यादा और व्यापक हित की याद दिलाता है। यह तुलना व्यक्ति–पूजा के लिए नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका की व्याख्या के लिए है। सरकारें जब जनता की आवाज समय पर सुनती हैं तो आंदोलन समस्या बनने से पहले समाधान बन सकता है। लेकिन जब शिकायतें महीनों और वर्षों तक फाइलों में पड़ी रहती हैं, जब संवाद के रास्ते बंद होते जाते हैं और जब नागरिक को लगता है कि उसकी सुनवाई नहीं होगी, तब असंतोष सड़क पर आता है।

सिर के बदले सिर कौन है जनरल रेजाई, जिसे मोजतबा ने बनाया ईरान का सिक्योरिटी बॉस

अभिनय

आंख के बदले आंख नहीं सिर के बदले सिर काटा जाएगा और अमेरिका को पूरी तरह खाड़ी छोड़नी पड़ेगी। अमेरिका को यह खुली चेतावनी देने वाले और यह ऐलान करने वाले कि जंग सिर्फ और सिर्फ ईरान की शर्तों पर खत्म होगी। मेजर जनरल मोहसीन रिजाई एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में हैं। रिजाई ने साफ कहा था कि इस बार ईरान का जवाब सिर्फ जैसे को तैसा वाला नहीं होगा बल्कि उससे भी कहीं आगे जाएगा। और अब इस बेहद आक्रामक सैन्य रणनीतिकार को ईरान में एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी गई। सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनई द्वारा सैन्य सलाहकार नियुक्त किए जाने के बाद अब उन्हें देश की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल में सुप्रीम लीडर का आधिकारिक प्रतिनिधि बनाया गया है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते भारी तनाव और अमेरिका इसराइल के साथ जारी इस महासंग्राम के बीच मेजर जनरल मोहसिन रिजाई की यह नई नियुक्ति बेहद रणनीतिक मानी जा रही है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी देश की सबसे अहम संस्था सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल में सुप्रीम लीडर के प्रतिनिधि के रूप में रिजाई अब ईरान की विदेशी सैन्य और सुरक्षा नीतियों के सीधे रणनीतिकार होंगे। यह फैसला ऐसे वक्त में आया। जब ईरान अपनी रक्षात्मक नीति छोड़कर आरपार के मूड में नजर आ रहा है। मोहसीन रिजाई ईरान की सत्ता व्यवस्था के सबसे अनुभवी और प्रभावशाली कट्टरपंथी चेहरों में गिने जाते हैं। 1979 की ईरानी क्रांति से पहले वे इस्लामी गोरिल्ला संगठनों के साथ जुड़े रहे। क्रांति के बाद उन्होंने रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉप्स यानी आईआरजीसी की खुफिया शाखा बनाई और 20 सितंबर 1981 को महज 27 साल की उम्र में वे आईआरजीसी के कमांडर इन चीफ बन गए। ईरान इराक युद्ध के दौरान पूरे 8 साल तक उन्होंने मोर्चे पर रहकर सेना की कमान संभाली थी। करीब 16 साल तक आईआरजीसी का नेतृत्व भी किया था। 1986 में वे ईरान के सुप्रीम डिफेंस काउंसिल के भी सदस्य रहे हैं। 1997 में सैन्य कमान छोड़ने के बाद रिजाई राजनीतिक और देश की नीतियों को गढ़ने में लग गए। वे लगातार देश के राष्ट्रपति चुनाव की रेस में रहे। साल 2009, 2013 और 2021 चुनाव में इब्राहिम रही के बाद करीब 34 लाख वोटों के साथ वे दूसरे स्थान पर रहे। सैन्य मामलों के अलावा रिजाई अर्थशास्त्र और सरकारी नीतियों पर भी मजबूत पकड़ रखते हैं। वे 2021 से 2023 तक ईरान के उपराष्ट्रपति रहे हैं और फिलहाल एक्सपीडिएंसी डिसर्नमेंट काउंसिल के सदस्य होने के साथ–साथ सुप्रीम काउंसिल फॉर इकोनमिक कोऑर्डिनेशन के सचिव का पद भी संभाल रहे हैं। जानकारों का मानना है कि रजाई जैसे अनुभवी और बेहद सख्त मिजाज जनरल को सुरक्षा परिषद में सर्वोच्च प्रतिनिधि नियुक्त करने का मतलब साफ है। ईरान अब पश्चिमी ताकतों के सामने झुकने के मूड में बिल्कुल नहीं। रिजाई ना केवल सैन्य मोर्चे की बारियों को समझते हैं बल्कि आर्थिक पाबंदियों के निपटने और रणनीतिक समझ रखने में महारत हैं। 28 फरवरी 2026 को अमेरिकी–इजराइली हमलों में अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद सत्ता संभालने वाले नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने शुरुआती हमलों में घायल होने के बावजूद अपने भरोसेमंद प्रतिनिधियों के जरिए काम करते हुए सेना और सुरक्षा तंत्र पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। इसी रणनीतिक फेरबदल के तहत उन्होंने ईरान–इराक युद्ध के अनुभवी रेजाई को अपने शीर्ष सैन्य गुट में शामिल किया है, वहीं आर्म्ड फोर्सेज जनरल स्टाफ (।थ्लै) प्रमुख मेजर जनरल अली अब्दुल्लाही अलियाबादी को ।थ्लै और श्खातम ओल–अंबियाश (ज्ञ।ब्भ्) का विलय पूरा करने के निर्देश दिए हैं ताकि नियमित सेना (आर्तेश) और प्त्ळब् के बीच का मतभेद खत्म हो सके। अमेरिकी–इजराइली हमलों में पूर्व प्त्ळब् प्रमुख मोहम्मद पाकपूर और ।थ्लै प्रमुख अब्दुल रहीम मूसावी जैसे शीर्ष कमांडरों के मारे जाने के बाद, अब अहमद वहीदी, अलियाबादी और रेजाई मिलकर इस संकट के दौर में ईरान के केंद्रीय कमान नेटवर्क को पूरी तरह स्थिर और सुचारू करने में जुटे हैं। रेजाई की नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बहुत अहम और जोखिम भरे घटनाक्रमों से निपट रहा है। यह समुद्र का एक संकरा रास्ता है जहाँ से दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत पेट्रोलियम गुजरता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने सप्ताहांत में कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर एक रेगुलेटेड शिपिंग कॉरिडोर बनाने के लिए मस्कट की मध्यस्थता में हो रही बातचीत एक समझौते के बहुत करीब है। हालाँकि, अरागची ने वाशिंगटन के साथ सीधी बातचीत की संभावना को साफ तौर पर खारिज कर दिया और अमेरिका पर कुछ समय के लिए हुए अंतरिम समझौता ज्ञापन (डव्) का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। तेहरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बिना किसी रोक–टोक के कमर्शियल तेल की आवाजाही के लिए पूरी तरह से फिर से खोलने पर सहमत होने से पहले पाँच स्पष्ट शर्तें रखी हैं। रेजाई की नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब क्षेत्र में कई मोर्चों पर संघर्ष चल रहा है, जिसमें क्षेत्रीय सहयोगी, प्रॉक्सी और पड़ोसी खाड़ी देश शामिल हैं। पड़ोसी देश इराक में, संघीय अधिकारियों ने ईरानी समर्थित मिलिशिया की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं, ताकि इराकी धरती पर और जवाबी हमले न हों। इराकी खुफिया अधिकारियों ने इस महीने की शुरुआत में सऊदी सुरक्षा प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और सऊदी क्षेत्र को निशाना बनाने वाले ड्रोन और मिसाइल हमलों को रोकने का वादा किया। यह सुरक्षा सहयोग 2 अगस्त को हुए ड्रोन हमले के बाद हुआ है, जिसका आरोप हथियार छोड़ने का विरोध करने वाले कट्टरपंथी इराकी मिलिशिया गुटों पर लगा था कृ इस हमले में बगदाद के उत्तर में कैंप ताजी में अमेरिका द्वारा दिए गए गोला–बारूद का भंडार नष्ट हो गया था। खुफिया विश्लेषकों का मानना घ्है कि यह हमला मिलिशिया के कट्टरपंथियों द्वारा इराकी सैन्य उपकरणों को नष्ट करने की कोशिश थी, जिनका इस्तेमाल गैर–सरकारी सशस्त्र समूहों के खिलाफ किया जा सकता था। दक्षिणी अरब में हूथी बलों और रॉयल सऊदी सशस्त्र बलों के बीच छोटे–मोटे संघर्ष भी फिर से शुरू हो गए हैं। खबरों के अनुसार, सऊदी अरब नौसैनिक और सीमित जमीनी अभियानों की तैयारी को अंतिम रूप दे रहा है, जिनका मकसद रेड सी (लाल सागर) में शिपिंग लेन को सुरक्षित करना और अपने पश्चिमी तट पर सऊदी कच्चे तेल के निर्यात में हूथी द्वारा पैदा की जा रही बाधाओं को खत्म करना है। सैन्य फैसलों के साथ–साथ, देश की अर्थव्यवस्था को बचाए रखना भी ईरान के नेतृत्व के लिए एक जरूरी प्राथमिकता बनी हुई है।

2027 की जनगणना संसदीय सीमाओं को फिर से बनाने में मदद करेगी

नन्तू

नई जनगणना से क्षेत्रीय शक्ति में बदलाव आएगा, जिससे ज्यादा आबादी बढ़ोतरी वाले उत्तरी और मध्य भारत के राज्यों के लिए प्रतिनिधित्व बढ़ने से संघीय शक्ति संतुलन बदलने का खतरा होगा, जबकि कम आबादी वृद्धि वाले दक्षिणी राज्यों में आनुपातिक फायदे कम हो जाएंगे। इसका असर सुरक्षित चुनाव क्षेत्रों पर पड़ेगा, जो उनकी नयी आबादी के आंकड़ों के आधार पर होगी जिससे अनुसूचित जाति और जनजाति सीटों की संख्या और भूगोल बदलेगा।आजादी के बाद 2027 में भारत की आठवीं जनगणना, जो लगभग 16 साल के अन्तराल के बाद हो रही है, देश की राजनीतिक प्रणाली में बहुत अहमियत रखती है क्योंकि यह संसदीय सीमाओं को फिर से बनाने पर लंबे समय से लगी रोक को हटा देगी। जनगणना रिपोर्ट भारतीय संविधान के अनुच्छेद 82 के तहत रोक हटाने के लिए जरूरी आधिकारिक जनगणना आंकड़े देगी। जनगणना सरकार और चुनाव आयोग को लोकसभा और राज्य विधानसभा सीटों को फिर से तय करने में मदद करेगी। यह संघीय शक्ति संतुलन बनाने में मदद करेगी, और महिला आरक्षण जनादेश को लागू करने के लिए लीगल एक्ट कारक के तौर पर काम करेगी।देश के 84वें संविधान संशोधन ने 1971 की जनगणना के आधार पर सीटों को 2026 तक के लिए रोक दी थी। इस तरह आने वाली 2027 की जनगणना इस प्रक्रिया को शुरू करने के कानूनी आधार बन गई। अनुच्छेद 82 के मुताबिक, नये जनगणना आंकड़े प्रकाशित होने के बाद संसद को एक नया परिसीमन कानून बनाना होगा ताकि राज्यों में और उनके अंदर सीटों की गिनती को फिर से समायोजित किया जा सके। इसका महिलाओं के लिए सीटों के आरक्षण पर बड़ा असर पड़ेगा। 106वां संविधान संशोधन लोकसभा और राज्य विधान सभाओं में महिलाओं के लिए एक–तिहाई आरक्षण को सीधे 2026 के बाद होने वाली जनगणना पर आधारित परिसीमन से जोड़ता है। उम्मीद है कि नई जनगणना से क्षेत्रीय शक्ति में बदलाव आएगा, जिससे ज्यादा आबादी बढ़ोतरी वाले उत्तरी और मध्य भारत के राज्यों के लिए प्रतिनिधित्व बढ़ने से संघीय शक्ति संतुलन बदलने का खतरा होगा, जबकि कम आबादी वृद्धि वाले दक्षिणी राज्यों में आनुपातिक फायदे कम हो जाएंगे। इसका असर सुरक्षित चुनाव क्षेत्रों पर पड़ेगा, जो उनकी नयी आबादी के आंकड़ों के आधार पर होगी जिससे अनुसूचित जाति और जनजाति सीटों की संख्या और भूगोल बदलेगा।आबादी के आधार पर लोकसभा सीटों को फिर से तय करने से दक्षिणी और पश्चिमी राज्यों का आनुपातिक विधायी वजन कम हो जाएगा। हिंदी क्षेत्र पर बहुत ज्यादा निर्भर कोई भी राष्ट्रीय सत्तारूढ़ पार्टी कुल संसदीय सीटों का बड़ा हिस्सा हासिल कर सकती है, जबकि स्थानीय दक्षिण के गढ़ वाली पार्टियों की शक्ति कम हो जाएगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जिसकी हिंदी पट्टी में मजबूत पकड़ है, को सबसे ज्यादा फायदा होगा। हालांकि, इस काम से संघीय टकराव हो सकता है क्योंकि इससे संसाधनों के बंटवारे, प्रतिनिधित्व और सहकारी गणराज्यवाद को लेकर उत्तरी और दक्षिणी राज्यों के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ने का खतरा है। भारत में उत्तर–दक्षिण में आबादी में मतभेद साफ दिखता है। उत्तरी हिंदी पट्टी के राज्यों में आबादी में बढ़ोतरी राष्ट्रीय औसत (लगभग 0.8 से 1.4प्रतिशत सालाना) से काफी ज्यादा है, जिसमें बिहार और उत्तर प्रदेश सबसे आगे हैं। इसके उलट, दक्षिणी राज्यों में जनसंख्या वृद्धि दर काफी कम है, और वे लगभग स्थिरता के करीब हैं। यह ध्यान देने वाली बात है कि बिहार में सालाना आबादी में सबसे ज्यादा 1.1प्रतिशत से 1.38 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने का अनुमान है, इसके बाद उत्तर प्रदेश में लगभग 0.9 प्रतिशत, और मध्य प्रदेश और राजस्थान में लगभग 0.8प्रतिशत। इसके उलट, केरल और तमिलनाडु में देश में सबसे कम दर है, जहां जन्म दर दो (मां–पिता के बदले) से भी नीचे चली गई है और वृद्धि दर लगभग शून्य है। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में भी इसमें भारी गिरावट दिख रही है और वे उत्तरी राज्यों से काफी आगे आबादी को जल्दी स्थिर करने की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। दक्षिणी राज्यों को ज्यादा महिला साक्षरता, कम बहुआयामी गरीबी और मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य निवेश का फायदा मिल रहा है। दक्षिण में जल्दी और असरदार परिवार नियोजन लागू करना, उत्तरी बेल्ट में पिछड़ी आबादी में बदलाव के बिल्कुल उलट है। राजनीति परिसीमन की प्रक्रिया से पहले, देश की संसद सदस्यों की बढ़ी हुई संख्या को जगह देने के लिए तैयार है। चार मंजिला भारतीय संसद भवन, जो 64,500 वर्ग मीटर में फैली है, में लोकसभा में 888 और राज्यसभा में 384 सदस्य बैठ सकते हैं। संयुक्त सत्र के लिए, लोकसभा चौंबर को बढ़ाकर 1,272 सदस्य तक बैठाया जा सकता है। पिछले संसद भवन में 543 लोक सभा सदस्य और 250 राज्य सभा सदस्य बैठ सकते थे। पहले भवन के सेंट्रल हॉल में संयुक्त सत्र होते थे, जिसमें करीब 560 लोगों के बैठने की जगह थी। मोबाइल एप्लिकेशन और वेब पोर्टल का इस्तेमाल करके भारत की पहली पूरी तरह से डिजिटल गिनती करते हुए, 2027 की जनगणना में 1931 के बाद पहली बार जनगणना, आर्थिक और गृह आंकड़े के साथ–साथ पूरी जाति की गिनती भी शुरू की जाएगी। डिजिटल सेल्फ–एन्यूमरेशन ऑप्शन नागरिकों को ऑनलाइन फॉर्म भरने की सुविधा देता है। जाति–समावेशी डेटा, अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) से आगे बढ़कर आंकड़े को रिकॉर्ड करने का काम करता है। जनसंख्या गिनती के चरण के दौरान जाति से जुड़ी विस्तृत जानकारी इकत्र्रा की जाती है। इस दो–चरण वाली प्रक्रिया में पहला चरण श्घर की सूची बनाना और आवास जनगणनाश (जिसमें इमारतों के प्रकार, उनकी हालत और घर की संपत्तिध्सुविधाओं का आकलन किया जाता है) है और दूसरा चरण श्जनसंख्या की गिनतीच्य (जिसमें लोगों की व्यक्तिगत जानकारी, साक्षरता, पलायन और काम–धंधे की जानकारी ली जाती है) है। इससे कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने, संसाधनों के बंटवारे और बुनियादी नीति बनाने के लिए जरूरी नए आंकड़े मिलते हैं। भारत की पिछली राष्ट्रीय जनगणना 2011 में हुई थी, जिसमें कुल जनसंख्या 1.21 अरब दर्ज की गई थी। कुल साक्षरता दर 74.04 प्रतिशत थी, लिंगानुपात प्रति 1,000 पुरुषों पर 940 महिलाएं था, और 2001 से 2011 के बीच जनसंख्या वृद्धि दर 17.64 प्रतिशत थी।

'मण्डल स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी 22 अगस्त को' संयुक्त शिक्षा निदेशक डॉ प्रदीप कुमार ने घोषित किया तिथि व स्थल

लखनऊ ।राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान उत्तर प्रदेश प्रयागराज के तत्वावधान में आयोजित होने वाली मण्डल स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी 2026 का आयोजन 22 अगस्त 2026 (दिन शनिवार) की प्रातः 10 बजे से आंचलिक विज्ञान नगरी , विस्तार खण्ड– ई (एकता विहार) अलीगंज,लखनऊ में किया जाएगा संयुक्त शिक्षा निदेशक लखनऊ मण्डल ने मण्डल स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी 2026 के आयोजन के लिए राजकीय जुबिली इण्टर कॉलेज लखनऊ के प्रधानाचार्य सुमीत कुमार श्रीवास्तव को नोडल नामित किया गया है विज्ञान प्रगति अधिकारी लखनऊ मण्डल डॉ दिनेश कुमार ने बताया कि इस वर्ष विज्ञान संगोष्ठी का विषय (शीर्षक) भारतीय ऊर्जा परिदृश्य 2047 रू संभावनाएं एवं चुनौतियाँ रखा गया है डॉ0दिनेश कुमार ने बताया कि इस विज्ञान संगोष्ठी में मण्डल के सभी 6 जनपदों हरदोई,लखीमपुर खीरी, लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, रायबरेली से जनपद स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी से प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त छात्र छात्रा ही प्रतिभाग करेंगे, घ्मण्डल स्तर की विज्ञान संगोष्ठी में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त कुल दो विजेता छात्र छात्रा को राज्य स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी में सम्मिलित होने के लिए चयनित किया जाएगा घ्डॉ दिनेश कुमार ने बताया कि राज्य स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन 11 सितम्बर 2026 को राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान उत्तर प्रदेश प्रयागराज के सभागार में किया जाना निश्चित हुआ है,जिसमें लखनऊ मण्डल से प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त दो विजेता प्रतिभाग करेंगे तथा राष्ट्रीय स्तर की विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन 30 अक्टूबर 2026 को राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र, दिल्ली में किया जाएगा,जिसमें प्रत्येक राज्य से प्रथम स्थान प्राप्त विजेता ही प्रतिभाग करेंगे घ्जे डी लखनऊ मण्डल डॉ प्रदीप कुमार ने लखनऊ मण्डल के सभी जिलों (सीतापुर, लखनऊ,लखीमपुर खीरी, हरदोई,उन्नाव,रायबरेली) के जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालयों को अपने अपने जनपद के विज्ञान संगोष्ठी के प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त विजेताओं को प्रतिभाग करवाने के लिए निर्देशित किया है–

डिजिटल दौर में पत्रकारिता के लिए तकनीकी दक्षता जरूरी : बृजेश सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में गुरुवार को पत्रकारिता की बदलती चुनौतियों और मीडिया के बदलते स्वरूप पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। विभाग के पूर्व विद्यार्थी एवं लखनऊ के वरिष्ठ पत्रकार बृजेश सिंह ने विद्यार्थियों को डिजिटल दौर में पत्रकारिता के लिए तकनीकी दक्षता के साथ लेखन, संवाद कौशल और कैमरे के सामने प्रभावी प्रस्तुति के महत्व की जानकारी दी। बृजेश सिंह ने कहा कि एक समय पत्रकारिता मुख्य रूप से अखबार और टेलीविजन तक सीमित थी, लेकिन डिजिटल मीडिया के विस्तार के साथ इसका स्वरूप तेजी से बदला है। आज गुणवत्तापूर्ण डिजिटल कंटेंट तैयार करने वाले प्रतिभाशाली लोगों की मांग बढ़ रही है। मीडिया संस्थानों को ऐसे मल्टी–स्किल प्रोफेशनल्स की आवश्यकता है, जो लेखन के साथ वीडियो निर्माण, कैमरा फेसिंग और डिजिटल कंटेंट तैयार करने में भी दक्ष हों। उन्होंने विद्यार्थियों को लेखन की बारीकियां समझाते हुए कहा कि बोलना आसान है, लेकिन प्रभावी ढंग से लिखना कठिन है। पत्रकारिता में बेहतर लेखन के लिए निरंतर अभ्यास जरूरी है। विद्यार्थियों को अपने लिखे कंटेंट को बार–बार पढ़कर उसमें सुधार और संपादन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जितना अधिक व्यक्ति अपने लेखन और प्रस्तुति पर काम करेगा, पत्रकारिता में उसकी राह उतनी ही आसान होगी। जनसंचार विभाग के ऑडियो–विजुअल स्टूडियो में उन्होंने विद्यार्थियों को साक्षात्कार लेने और कैमरे के सामने प्रभावी प्रस्तुति की व्यावहारिक जानकारी दी। सवाल पूछने के तरीके, बॉडी लैंग्वेज, आत्मविश्वास और कैमरे के सामने सहज रहने की तकनीक भी समझाई। विभाग के शिक्षक डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने प्रायोगिक रूप से टेलीविजन इंटरव्यू की तकनीक बताते हुए विद्यार्थियों को प्रभावी सवाल पूछने और साक्षात्कार को स्वाभाविक संवाद में बदलने के गुर सिखाए। उन्होंने कहा कि बेहतर कंटेंट और प्रभावी प्रस्तुति की क्षमता रखने वाले युवाओं के लिए डिजिटल मीडिया में व्यापक अवसर हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज मिश्र ने वरिष्ठ पत्रकार बृजेश सिंह का स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुनील कुमार ने किया। संचालन डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने किया। इस अवसर पर डॉ. चन्दन सिंह, डॉ. अमित मिश्र, आनंद सिंह, पंकज सिंह सहित विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

जौनपुर में भव्य तिरंगा रैली का आयोजन, गूंजे देशभक्ति के नारे 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत दिया राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता का संदेश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। हर घर तिरंगा' अभियान के तहत गुरुवार को जौनपुर में भव्य तिरंगा रैली निकाली गई। रैली सद्भावना पुल से शुरू होकर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित विकास भवन के सामने शहीदध्क्रांति स्तंभ तक पहुंची। उत्तर प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। रैली से पूर्व सद्भावना पुल पर विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राओं, युवाओं और स्वयंसेवकों ने मानव श्रृंखला बनाकर 'हर घर तिरंगा' की आकर्षक आकृति बनाई। इसके बाद सफेद टी–शर्ट और शर्ट पहने प्रतिभागियों ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक रैली में भाग लिया। सामूहिक 'वंदे मातरम्' गायन के साथ रैली का शुभारंभ हुआ। पूरे मार्ग में देशभक्ति के नारे गूंजते रहे। कलेक्ट्रेट पहुंचने पर शहीदध्क्रांति स्तंभ पर और सरदार वल्लभभाई पटेल की मूर्ति पर माल्यार्पण कर वीर शहीदों को नमन किया गया। राज्यमंत्री ने कहा कि 9 अगस्त क्रांति दिवस से 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस तक विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और शहीदों को नमन किया जा रहा है। तिरंगा यात्रा का उद्देश्य वीर सपूतों के त्याग, तपस्या, वीरता और बलिदान को स्मरण करना है। उन्होंने बताया कि 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर मौन जुलूस और गोष्ठी तथा 15 अगस्त को ध्वजारोहण कार्यक्रम होगा। जनपद में करीब 5 लाख 51 हजार तिरंगे घरों तक पहुंचाए जा चुके हैं। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' केवल ध्वज फहराने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता, गौरव और कर्तव्यबोध को मजबूत करने का अभियान है।इस अवसर पर राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव, विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह 'प्रिंशु', नगरपालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्य, जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख ने किया।

एसपी कार्यालय के पास युवती ने खाया जहरीला पदार्थ हालत गंभीर वाराणसी रेफरय पुलिस मामले की जांच में जुटी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे एसपी कार्यालय के पास एक 20 वर्षीय युवती की अचानक तबीयत बिगड़ गई। सूचना पर पहुंची लाइन बाजार पुलिस ने तत्काल उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे वाराणसी रेफर कर दिया। युवती की पहचान बदलापुर थाना क्षेत्र के एक गाँव के रूप में हुई है। जिला अस्पताल के ईएमओ डॉ. सलमान अंसारी ने बताया कि युवती को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए वाराणसी भेजा गया। युवती किसी मामले में न्याय की मांग को लेकर एसपी कार्यालय पहुंची थी। युवती ने आरोप लगाया कि उसके साथ कुछ समय पहले दुष्कर्म की घटना हुई थी और इसकी शिकायत पुलिस से किए दो महीने से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन आरोपियों के खिलाफ अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। उसने कई बार पुलिस अधिकारियों से मिलकर कार्रवाई की मांग किए जाने की बात भी कही इस मामले में जानकारी देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने युवती को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। उन्होंने बताया कि युवती का एक युवक से करीब दो वर्षों से मिलना–जुलना था। इस संबंध में करीब दो वर्ष पूर्व दोनों पक्षों की ओर से एक–दूसरे के खिलाफ यौन उत्पीड़न से संबंधित मुकदमे दर्ज कराए गए थे। विवेचना के दौरान युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया था, जहां से उसे जेल भेज दिया गया था। वर्तमान में वह जमानत पर बाहर है। एसएसपी के अनुसार, युवती ने सात अगस्त को युवक द्वारा धमकी दिए जाने की शिकायत की थी। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। गुरुवार की घटना की भी गहनता से जांच कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है।

एक घंटे की मूसलाधार बारिश से जौनपुर बेहाल, शहर से गांव तक जलभराव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में गुरुवार को करीब एक घंटे हुई मूसलाधार बारिश ने शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक की व्यवस्था की पोल खोल दी। दोपहर करीब 1 बजे शुरू हुई बारिश 2 बजे तक जारी रही। तेज बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में जलभराव हो गया। सड़कें पानी में डूब गईं और निचले इलाकों के कई घरों में भी पानी घुस गया। शहर की रुहट्टा कॉलोनी ओलांदगंज पॉलिटेक्निक चौराहे, कचेहरी समेत कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति गंभीर रही। नगर पालिका परिषद क्षेत्र के नाले और नालियां बारिश के पानी से पूरी तरह भर गए, जिससे जल निकासी बाधित हुई। लोगों को पानी के बीच से होकर आवागमन करना पड़ा। कई सड़कें और गलियां तालाब जैसी नजर आईं। नगर पालिका की ओर से नालों की सफाई लगातार कराए जाने के दावों के बावजूद बारिश के दौरान जलभराव की समस्या ने जल निकासी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के पानी की समुचित निकासी नहीं होने से हर वर्ष ऐसे हालात बनते हैं। वहीं, खुले बिजली के खंभे भी लोगों के लिए चिंता का कारण बने रहे। बारिश से पहले विद्युत विभाग और जिला प्रशासन की ओर से बिजली के खंभों को पॉलीथीन या प्लास्टिक पाइप से सुरक्षित करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन नगर के कई स्थानों पर खंभे अब भी खुले पड़े हैं। इससे हादसे का खतरा बना हुआ है। जलभराव के कारण सड़कों के गड्ढे दिखाई नहीं देने से वाहन चालकों को भी परेशानी हुई। कई दोपहिया और चारपहिया वाहन पानी में फंस गए। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त कराने, खुले बिजली खंभों को सुरक्षित करने और जर्जर सड़कों की मरम्मत कराने की मांग की है।

बिजली कटौती और धीमे सर्वर ने रोका आधार का काम

लखनऊ, (संवाददाता)। विकासखंड मलिहाबाद की ग्राम पंचायत हबीबपुर के पंचायत भवन में लगे आधार कार्ड कैंप में मंगलवार को दूसरे दिन भी बिजली कटौती और धीमे सर्वर की समस्या बनी रही। बार–बार बिजली गुल होने से आधार बनाने और संशोधन का काम प्रभावित हुआ। इस कारण 20 से अधिक लोगों को बिना काम कराए ही मायूस होकर लौटना पड़ा। कैंप में दिनभर में सिर्फ दो नए आधार कार्ड बनाए जा सके। वहीं, पांच लोगों के आधार कार्ड में संशोधन का काम पूरा हुआ। डाक सहायक अभिषेक गुप्ता ने बताया कि बिजली और सर्वर की समस्या के कारण लोगों को सबसे अधिक परेशानी हुई। उनका कहना है कि जैसे ही कंप्यूटर सिस्टम शुरू किया जाता, बिजली चली जाती थी। इससे सर्वर भी ठीक से काम नहीं करता था। सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक करीब 25 से अधिक बार बिजली आपूर्ति बाधित हुई। इससे आधार बनवाने और संशोधन कराने के लिए पहुंचे लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। आशीष, सुमन, कार्तिक, अर्तिका और प्रीति यादव समेत कई लोग काम पूरा न होने के कारण लौट गए। ग्रामीणों ने बिजली निगम के कर्मचारियों से कई बार शिकायत की, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका। राधिका यादव और दीप्ति विश्वकर्मा के नए आधार कार्ड बनाए गए। ग्रामीणों ने प्रशासन से आधार कैंप के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि कैंप में आने वाले लोगों को बिना वजह परेशान न होना पड़े और दूर–दराज से आने वालों का काम समय पर पूरा हो सके।

ई-रिक्शा सवार महिला से चेन लूटने वाले तीन शातिर गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। मड़ियांव पुलिस ने ई–रिक्शा से घर जा रही महिला के गले से सोने की चेन झपटकर फरार हुए तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से पीली धातु की दो चेन और वारदात में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों का पहले से भी आपराधिक इतिहास है। पूछताछ में आरोपियों से चेन और मोबाइल झपटमारी की कई घटनाओं का खुलासा हुआ है।पुलिस के अनुसार, 8 अगस्त 2026 को मोहित अवस्थी पुत्र ओम प्रकाश अवस्थी निवासी आम की बाग, बालाजी इन्क्लेव, निकट सिकरवार चौराहा, थाना मड़ियांव ने तहरीर देकर बताया था कि उनकी मां ई–रिक्शा से अपने घर जा रही थीं। घर के पास पहुंचने पर पीछे से आए एक अज्ञात युवक ने उनके गले से सोने की चेन झपट ली। इसके बाद वह कुछ दूरी पर मोटरसाइकिल लेकर खड़े अपने दो साथियों के साथ बैठकर फरार हो गया। तहरीर के आधार पर मड़ियांव थाने में मुकदमा संख्या 379/2026, धारा 304(2) बीएनएस के तहत तीन अज्ञात बाइक सवार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम ने सुरागरसी–पतारसी, उपलब्ध साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों की तलाश शुरू की। इसी क्रम में 11 अगस्त 2026 को पुलिस ने इम्तियाज पुत्र वसीम निवासी सलेमपुर पतौरा, बादलखेड़ा, थाना पारा, लखनऊ, देवेन्द्र सिंह पुत्र सरवन सिंह निवासी मरई, थाना हरियावां, हरदोई, हाल पता एलडीए कॉलोनी राजाजीपुरम, थाना सहादतगंज, लखनऊ तथा अरुण त्रिपाठी पुत्र राम प्रकाश निवासी पतौरा बुद्धेश्वर, थाना पारा, लखनऊ को यादव चौराहे के पास रात करीब 2रू20 बजे गिरफ्तार किया।

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष बोले– राम मंदिर को कमाई का जरिया न बनाएं, सीईओ नहीं धर्माचार्यों की नियुक्ति करें

लखनऊ, (संवाददाता)। अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने राम मंदिर की व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठाए। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि धार्मिक नगरी में सीईओ की जगह धर्माचार्यों की नियुक्ति होनी चाहिए। आरोप लगाया कि राम मंदिर को कमाई का जरिया बनाया जा रहा है। मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में अब तक हुई कार्रवाई को उन्होंने खानापूर्ति बताया और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की। अजय राय ने कहा कि जिन लोगों पर पैसे गिनवाने और मामले में संलिप्तता के आरोप हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में कानून–व्यवस्था, चढ़ावे की चोरी, बेरोजगारी, महंगाई और युवाओं के भविष्य का मुद्दा प्रमुख रहेगा। अजय राय ने दावा किया कि लोग कांग्रेस और राहुल गांधी के साथ जुड़ रहे हैं। साथ ही भाजपा और आरएसएस पर अयोध्या की पवित्रता प्रभावित करने का आरोप लगाया।

संक्षिप्त खबरें

डाक विभाग ने राखी भेजने के लिए 10 रुपये में उपलब्ध कराया वाटरप्रूफ लिफाफा

लखनऊ, (संवाददाता)। भाई–बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व इस वर्ष 28 अगस्त को मनाया जाएगा। ऐसे में जो बहनें अपने भाइयों से दूर हैं या किसी कारणवश रक्षाबंधन के दिन उनसे मिल नहीं सकेंगी, उनके लिए डाक विभाग ने राखी भेजने की विशेष सुविधा उपलब्ध कराई है।लखनऊ जीपीओ की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि बहनों की राखी सुरक्षित रूप से उनके दूर रहने वाले भाइयों तक पहुंचाने के लिए वाटरप्रूफ राखी लिफाफे उपलब्ध कराए गए हैं। ये विशेष लिफाफे लखनऊ जनरल पोस्ट ऑफिस में मात्र 10 रुपये की कीमत पर मिल रहे हैं।डाक विभाग ने बताया कि बहनें इन वाटरप्रूफ राखी लिफाफों को खरीदकर उनमें अपनी राखी और भाई के प्रति प्रेम का संदेश रख सकती हैं तथा स्पीड पोस्ट के माध्यम से दूर रहने वाले भाइयों को भेज सकती हैं। इससे रक्षाबंधन के दिन दूरी के बावजूद भाई–बहन के रिश्ते की मिठास और अपनापन कायम रहेगा।लखनऊ जीपीओ ने बहनों से अपील की है कि वे समय रहते वाटरप्रूफ राखी लिफाफे प्राप्त कर अपनी राखी स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजें, ताकि रक्षाबंधन पर्व पर राखी सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुंच सके।

लखनऊ में दो युवकों की मौत से हड़कंप, होटल के कमरे में फंदे से लटका मिला युवक

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी में सोमवार देर रात से मंगलवार सुबह तक अलग–अलग थाना क्षेत्रों में फांसी लगाने की दो घटनाओं से हड़कंप मच गया। गोमतीनगर के विवेकखंड–4 स्थित एक होटल के बंद कमरे में युवक का शव पंखे से रस्सी के सहारे लटका मिला। वहीं, ठाकुरगंज क्षेत्र में एक 30 वर्षीय युवक ने घर की छत पर बने कमरे में फांसी लगा ली। दोनों मामलों में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर फॉरेंसिक टीम की मदद से घटनास्थल की जांच कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। दोनों घटनाओं में फांसी लगाने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। गोमतीनगर थाना क्षेत्र के विवेकखंड–4 स्थित होटल दि एलीट इन के मैनेजर ने 10 अगस्त 2026 की रात करीब 8रू30 बजे पुलिस को सूचना दी कि होटल का कमरा नंबर 301 दोपहर से बंद है। काफी देर तक कमरा नहीं खुलने पर होटल कर्मचारियों को संदेह हुआ, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक उपनिरीक्षक शिवम गुप्ता और पुलिस बल के साथ होटल पहुंचे। पुलिस ने जांच की तो कमरा अंदर से बंद मिला। दरवाजे की दरार से देखने पर कमरे के भीतर एक व्यक्ति पंखे से रस्सी के सहारे लटका दिखाई दिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया।फॉरेंसिक टीम की मौजूदगी में घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए गए। इसके बाद होटल कर्मचारियों की सहायता से युवक को फंदे से नीचे उतारा गया और चिकित्सकीय परीक्षण के लिए ट्रॉमा सेंटर, केजीएमयू भेजा गया। वहां चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया।पुलिस होटल के अभिलेखों और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर युवक की पहचान और उसके होटल में ठहरने से जुड़ी जानकारी जुटा रही है। कमरे के अंदर से बंद होने के कारण भी पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।

एक लाख करोड़ से अधिक की खरीद और तीन राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश ने सरकारी खरीद के डिजिटल मंच जेम यानी गवर्नमेंट ई–मार्केटप्लेस पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 2017 में जेम की शुरुआत के बाद से उत्तर प्रदेश ने इस मंच के माध्यम से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की खरीद पूरी कर ली है। देश के सभी राज्यों द्वारा जेम के जरिए की गई कुल खरीद में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत से अधिक है। इसी शानदार प्रदर्शन के लिए प्रदेश को जेम के 10वें स्थापना दिवस पर एक साथ तीन प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।10 अगस्त को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित जेम के 10वें स्थापना दिवस समारोह में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उत्तर प्रदेश को 'जेम ओवरऑल एक्सीलेंस अवार्ड', 'हाईएस्ट जीएमवी सिंस इनसेप्शन' और 'बेस्ट आउटरीच इनिशिएटिव्स फॉर कैपेसिटी बिल्डिंग' पुरस्कार प्रदान किए। उत्तर प्रदेश की ओर से प्रमुख सचिव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग शशिभूषण लाल सुशील ने ये पुरस्कार ग्रहण किए। तीन अलग–अलग श्रेणियों में मिले इन पुरस्कारों को जेम पर उत्तर प्रदेश के लगातार बेहतर प्रदर्शन की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश को मिला 'जेम ओवरऑल एक्सीलेंस अवार्ड' सरकारी खरीद के डिजिटल मंच पर प्रदेश के समग्र प्रदर्शन के लिए दिया गया है। 'हाईएस्ट जीएमवी सिंस इनसेप्शन' पुरस्कार जेम की स्थापना से अब तक प्रदेश द्वारा एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की खरीद किए जाने की उपलब्धि को दर्शाता है। वहीं 'बेस्ट आउटरीच इनिशिएटिव्स फॉर कैपेसिटी बिल्डिंग' पुरस्कार जेम के संबंध में जागरूकता बढ़ाने, प्रशिक्षण देने और अधिक से अधिक सरकारी विभागों, अधिकारियों तथा कारोबारियों को इस मंच से जोड़ने के प्रयासों के लिए प्रदान किया गया है।प्रमुख सचिव शशिभूषण लाल सुशील ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में जेम पर उत्तर प्रदेश की बढ़ती खरीद का लाभ सरकारी विभागों के साथ ही प्रदेश के कारोबारियों और उद्यमियों को भी मिला है।

जानकीपुरम में लाखों की चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। जानकीपुरम थाना क्षेत्र में घर का ताला तोड़कर सोने–चांदी के आभूषण चोरी करने के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 26 लाख रुपये कीमत के चोरी के आभूषण व अन्य सामान, 3 लाख 97 हजार रुपये नकद, चोरी के पैसों से खरीदी गई क्लासिक बुलेट मोटरसाइकिल तथा घटना में प्रयुक्त होंडा न्यू वाहन बरामद किया है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों के खिलाफ लखनऊ और बाराबंकी के विभिन्न थानों में चोरी और गैंगस्टर एक्ट समेत कई मुकदमे पहले से दर्ज बताए गए हैं।पुलिस के अनुसार, 5 अगस्त 2026 को राम नरेश पुत्र स्वर्गीय जगत नारायण शुक्ला निवासी रामविहारी मार्ग, जानकीविहार, थाना जानकीपुरम ने पुलिस को सूचना दी थी कि उनके घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोर सोने–चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए हैं। सूचना के आधार पर जानकीपुरम थाने में मुकदमा संख्या 144ध 2026, धारा 305(ए) बीएनएस के तहत अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। घटना की विवेचना उपनिरीक्षक विकास सिंह को सौंपी गई।घटना के खुलासे के लिए पुलिस उपायुक्त उत्तरी की सर्विलांस एवं क्राइम टीम तथा थाना जानकीपुरम की संयुक्त टीम को लगाया गया। पुलिस के मुताबिक 10 अगस्त 2026 को तड़के करीब 2रू25 बजे मुखबिर की सूचना पर टीम ने मो. शोएब उर्फ सुहेल पुत्र मो. नसीम उर्फ मुल्ला निवासी ग्राम धधरा, थाना बड्डूपुर, बाराबंकी तथा रवि रावत उर्फ शाका पुत्र श्यामलाल निवासी ग्राम जमुआ, थाना घुंघटेर, बाराबंकी, हाल पता अभिषेकपुरम, थाना जानकीपुरम, लखनऊ को गिरफ्तार किया।

बाढ़ पीड़ितों के बीच जाकर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने बांटी राहत सामग्री

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।बाढ़ प्रभावित परिवारों की मदद के लिए गुरुवार को पूरा बाजार क्षेत्र स्थित दशरथ समाधि स्थल पर राहत सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचकर राहत सामग्री वितरित की और उनकी समस्याएं सुनीं। पिपरी, सलेमपुर सहित अन्य ग्राम सभाओं के करीब 550 परिवारों को राहत सामग्री वितरित की जाएगी। राहत किट में खाद्य सामग्री के साथ बाढ़ प्रभावित परिवारों की जरूरत को देखते हुए तिरपाल और बाल्टी भी शामिल की गई है।इससे प्रभावित परिवारों को भोजन के साथ रहने और दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुओं की तत्काल जरूरत पूरी करने में मदद मिलेगी।दशरथ समाधि स्थल पर राहत सामग्री लेने पहुंचे ग्रामीणों ने विधायक को अपनी समस्याओं से अवगत कराया।विधायक ने प्रभावित परिवारों को भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में सरकार और जनप्रतिनिधि उनके साथ खड़े हैं। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा, ष्बाढ़ से प्रभावित परिवारों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। सरकार की प्राथमिकता है कि आपदा की इस घड़ी में प्रत्येक जरूरतमंद परिवार तक समय से राहत पहुंचे। पिपरी, सलेमपुर सहित जिन ग्राम सभाओं में बाढ़ का प्रभाव पड़ा है, वहां प्रभावित परिवारों को चिन्हित कर राहत सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। जरूरत के अनुसार राहत कार्य को और विस्तार दिया जाएगा।ष कहा कि प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। जरूरत के अनुसार राहत सामग्री और स्वास्थ्य सेवाओं को और विस्तार दिया जाएगा।राहत सामग्री मिलने पर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। मौके पर उपजिलाधिकारी सदर, तहसीलदार सदर, गन्ना समिति के चेयर मैन दीपेन्द्र सिंह, मीडिया प्रभारी अमित कुमार मिश्र सहित राजस्व विभाग के कर्मचारी व पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

आयुर्वेद की दृष्टि में सावन की मेहंदी परंपरा में छिपा है स्वास्थ्य संदेश को लेकर हुआ गोष्ठी का आयोजन'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहाँपुर' अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन की जिला इकाई द्वारा "आयुर्वेद की दृष्टि में सावन की हरियाली तीज तथा मेहंदी एवं झूले का आयुर्वेदिक महत्व" विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन जिला अध्यक्ष डॉ विजय जौहरी की अध्यक्षता में मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय प्रांगण स्थित इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के कार्यालय में किया गया। गोष्ठी की मुख्य वक्ता सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ददरौल की आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ रचना रस्तोगी रहीं। इस अवसर पर डॉ सुमन अग्रवाल, डॉ पल्लवी सक्सेना, डॉ आंचल गुप्ता, डॉ सुप्रिया सहित अन्य आयुर्वेद चिकित्सकों ने अपने विचार रखे। मुख्य वक्ता डॉ रचना रस्तोगी ने कहा कि सावन में मेहंदी लगाने की भारतीय परंपरा को आयुर्वेद की ऋतुचर्या और द्रव्यगुण विज्ञान के संदर्भ में भी समझा जा सकता है। वर्षा ऋतु में वातावरण में आर्द्रता बढ़ती है और आयुर्वेद के अनुसार इस काल में वात दोष के प्रकोप तथा पित्त के संचय की स्थिति बनती है। ऐसे में ऋतु के अनुरूप आहार–विहार एवं स्वस्थ जीवनशैली का विशेष महत्व है। उन्होंने बताया कि मेहंदी अर्थात् मदयन्तिका आयुर्वेदिक द्रव्यगुण परंपरा में वर्णित वनस्पति है। प्राकृतिक हरी मेहंदी की पत्तियों का लेप परंपरागत रूप से त्वचा की देखभाल, दाह एवं शीतलता से संबंधित प्रयोजनों में किया जाता रहा है। यही कारण है कि सावन के मौसम में जब प्रकृति चारों ओर हरियाली से भर जाती है, तब महिलाओं द्वारा ताजी हरी पत्तियों से तैयार मेहंदी लगाने की परंपरा केवल श्रृंगार तक सीमित नहीं रही, बल्कि प्रकृति और स्वास्थ्य से जुड़ी लोकपरंपरा के रूप में विकसित हुई। चिकित्सकों ने कहा कि पुराने समय में घरों, बंगलों, बगीचों और खेतों की मेड़ों पर मेहंदी की झाड़ियां लगाई जाती थीं। सावन में इसकी ताजी पत्तियां तोड़कर सिलबट्टे पर पीसकर मेहंदी तैयार की जाती थी। इससे औषधीय वनस्पति का संरक्षण भी होता था और परिवार को प्राकृतिक मेहंदी सहज रूप से उपलब्ध रहती थी। "मेहंदी रंग लाती है, पीसने के बाद" जैसी लोक कहावतें भी इसी पारंपरिक प्रक्रिया से जुड़ी हैं। चिकित्सकों ने स्पष्ट किया कि यहां मेहंदी से आशय प्राकृतिक हरी पत्तियों से तैयार मेहंदी से है, न कि रासायनिक अथवा तथाकथित ब्लैक मेहंदी से। प्राकृतिक वनस्पति के औषधीय गुणों को रासायनिक रंगों वाले उत्पादों के समान नहीं माना जा सकता। इसलिए हरियाली तीज की परंपरा को प्राकृतिक मेहंदी के पौधे के संरक्षण और उसके उपयोग से जोड़ना अधिक उपयुक्त है। झूले की परंपरा पर चर्चा करते हुए वक्ताओं ने कहा कि हरियाली तीज पर महिलाओं का बाग–बगीचों में जाकर झूला झूलना मनोरंजन के साथ सहज शारीरिक सक्रियता और मानसिक प्रसन्नता का माध्यम भी था। आयुर्वेद के स्वस्थवृत्त सिद्धांत में शरीर को सक्रिय रखना और मन को प्रसन्न रखना स्वास्थ्य संरक्षण का महत्वपूर्ण पक्ष है। प्रकृति के बीच समय बिताना, गीत–संगीत और सामाजिक मेल–जोल महिलाओं को मानसिक विश्रांति प्रदान करता था। डॉ विजय जौहरी ने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप आयुर्वेद की प्राचीन एवं समृद्ध चिकित्सा परंपरा के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार–प्रसार के लिए इस प्रकार की विचार गोष्ठियों का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य आयुर्वेद के सिद्धांतों, ऋतुचर्या, औषधीय वनस्पतियों एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जनमानस को जागरूक कर "स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणम्" की भावना को जन–जन तक पहुंचाना है। भारतीय संस्कृति और आयुर्वेद में गहरा संबंध है। हमारे पर्व–त्योहारों में ऋतुचर्या, आहार–विहार, प्रकृति संरक्षण, औषधीय वनस्पतियों और स्वस्थ जीवनशैली के अनेक संदेश छिपे हुए हैं। हरियाली तीज इसका सुंदर उदाहरण है, जिसमें सावन की हरियाली, प्राकृतिक मेहंदी, झूला और सामूहिक उत्सव एक साथ दिखाई देते हैं। गोष्ठी में प्राकृतिक मेहंदी एवं औषधीय वनस्पतियों के संरक्षण, महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता तथा भारतीय आयुर्वेदिक परंपराओं को जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। गोष्ठी में सरकारी और गैरसरकारी चिकित्सकों ने सहभागिता की।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला थानाध्यक्ष ने छात्राओं व महिलाओ को किया जागरुक

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।गुरुवार को एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर तथा मिशन शक्ति फेज 5 के नोडल प्रभारी व एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के निर्देश पर सीओ सिटी श्रीयेश त्रिपाठी की देखरेख मे महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने मिशन शक्ति के तहत शहर के विभिन्न कॉलेज और चौराहों पर जागरूकता अभियान चलाया। उन्होंने कॉलेज तथा चौक सहित अन्य प्रमुख चौराहों पर छात्राओं व महिलाओ को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक किया।इस मौके पर उन्होंने मिशन शक्ति अभियान फेज फाइव के तहत सुरक्षात्मक उपाय भी बताई।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षात्मक टिप्स की भी जानकारी देते हुए बताया कि जिससे कभी भी संकट के समय आप अपनी सुरक्षा कर सकती हैं।इस मौके पर उन्होंने महिलाओ व बालिकाओं से कहीं।उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं तथा बालिकाओं के लिए जहां एक तरफ उनके विकास को लेकर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ महिला सशक्तिकरण सुकन्या समृद्धि योजना सहित एक से बढ़कर एक कई महत्वपूर्ण योजनाएं चल रही हैं। वहीं महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी केंद्र व राज्य सरकार कई योजनाएं चल रही हैं।इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद बालिकाओं को पंपलेट व बैनर पोस्ट के माध्यम से जानकारी देते हुए कहा कि अगर आपको किसी भी प्रकार की कोई भी अप्रिय घटना का अंदेशा हो तो बिना झिझक अपने नजदीकी पुलिस कर्मियों, महिला थाना तथा अपने परिजनों को फोन पर बताये।इस मौके पर उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।बताया कि यह सभी नंबर आप लोग हमेशा याद रखें। जब भी आपको किसी भी प्रकार की सहायता लेने की जरूरत हो तो आप इस नंबर पर फोन कर सकते हैं।

गांधी पार्क सिविल लाइन से चौक तक निकली तिरंगा यात्रा

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।गुरुवार की सुबह अयोध्या की सड़कों पर राष्ट्रभक्ति का अद्भुत दृश्य देखने को मिला।सिविल लाइंस गांधी पार्क से निकली करीब एक किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा में 101 मीटर लंबे राष्ट्रीय ध्वज को थामे हजारों कदम जब एक साथ आगे बढ़े तो पूरा वातावरण भारत माता के जयकारों और देशभक्ति गीतों से गूंज उठा। यात्रा का समापन शहीद स्मृति स्थल चौक पर हुआ, जहां अमर शहीदों को नमन कर राष्ट्र की एकता और अखंडता का संकल्प लिया गया। यात्रा से पूर्व सिविल लाइंस में लोगों का जमावड़ा शुरू हो गया था। महानगर ही नहीं, बल्कि पूरे जिले के विभिन्न हिस्सों से लोग छोटे–छोटे समूहों में हाथों में तिरंगा लिए यात्रा में शामिल होने के लिए पहुंचते रहे। सुबह होते–होते सिविल लाइंस का क्षेत्र राष्ट्रध्वज के रंग में रंग गया। यात्रा में साधु–संतों के साथ छात्र–छात्राओं की भागीदारी और उत्साह विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। डिप्टी सीएम एवं राज्यसभा सांसद डा. दिनेश शर्मा के साथ क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रामचन्द्र यादव, अभय सिंह, अमित सिंह चौहान, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी और महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने बस स्टेशन स्थित डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर यात्रा की शुरूआत किया। यात्रा आगे बढ़ी तो डीजे पर गूंजते देशभक्ति गीतों के बीच युवाओं और विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। सड़क के दोनों ओर खड़े लोगों ने भी तिरंगा लहराकर यात्रा का स्वागत किया।

इस अवसर पर डा. दिनेश शर्मा ने कहा कि तिरंगा केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की स्वतंत्रता, स्वाभिमान और शहीदों के बलिदान का प्रतीक है। तिरंगे के नीचे पूरा देश एक हो जाता है। अयोध्या की धरती से निकली यह यात्रा राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता और देश की एकता–अखंडता के संकल्प का संदेश दे रही है। क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी ने कहा कि आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीरों के बलिदान को याद रखना और नई पीढ़ी को उनके त्याग से परिचित कराना हम सभी की जिम्मेदारी है।सिविल लाइंस से निकली यात्रा में आगे बढ़ता 101 मीटर लंबा तिरंगा पूरे मार्ग का सबसे मनोहारी दृश्य बना रहा। विशाल ध्वज को थामे लोग जब कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़े तो सड़क पर मानो तिरंगे की एक चलती हुई लहर दिखाई दी। यात्रा के शहीद स्मृति स्थल चौक पहुंचने पर वातावरण और भी भावपूर्ण हो गया। यहां शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर यात्रा का समापन किया गया।यात्रा में जिला पंचायत प्रशासक रोली सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पाण्डेय बादल, कमला शंकर पाण्डेय, अभिषेक मिश्र, शक्ति सिंह, पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, सहकारी बैंक के सभापति धर्मेन्द्र प्रताप सिंह टिल्लू, आलोक सिंह रोहित, महामंत्री शैलेन्द्र कोरी, परमानंद मिश्र, शशि प्रताप सिंह, हरभजन गौड़, बाल कृष्ण वैश्य, रीना द्विवेदी, महानगर मंत्री व यात्रा सहसंयोजक विपिन सिंह बब्लू, शिवम् शुक्ला, प्रवीण दुबे, रवि सिंह, देवकाली मंडल अध्यक्ष हेमंत जायसवाल, कपिल देव वर्मा, मुकेश तिवारी, रवि सोनकर, अमन तिवारी बिट्टो, आकाश सोमवंशी, ब्लाक प्रमुख दिनेश जिला महामंत्री राघवेन्द्र पाण्डेय, अशोक कसौंधन, शिवम् सिंह, अखण्ड प्रताप सिंह डिम्पल, कृष्ण कुमार पाण्डेय खुन्नू, राम मोहन भारती, अभिषेक यादव, सुनील मिश्र, रमन सिंह, जिपंस इंद्र भान सिंह, विजय बहादुर तिवारी सहित बडी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कल अयोध्या पहुंचेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल अयोध्या दौरे पर पहुंचेंगे।मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर सुबह 10:30 बजे रामकथा हेलीपैड पर उतरेगा।इसके बाद मुख्यमंत्री विभिन्न धार्मिक एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रमों में शामिल होंगे। अयोध्या पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री 10:45 बजे हनुमानगढ़ी पहुंचकर दर्शन–पूजन करेंगे।इसके बाद 11 बजे महंत संतराम दास महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।सुबह 11:05 बजे रामलला के दरबार में पहुंचकर दर्शन–पूजन करेंगे।इसके बाद मुख्यमंत्री 11:20 बजे रविदास मंदिर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा एवं संत सम्मेलन में शामिल होंगे। करीब 11:55 बजे दिगंबर अखाड़ा पहुंचेंगे।यहां दोपहर 12:30 बजे परमहंस श्री रामचंद्र दास की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 12:40 बजे अयोध्या से लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

74 वें प्रभु झूलेलाल महोत्सव के गुप्तारघाट पर विसर्जन स्थल एवं सिंधी मेले स्थल का पदाधिकारियों ने किया निरीक्षण

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। सिंधु सेवा समिति (रजि.) के तत्वाधान में आयोजित 74 वे प्रभु झूलेलाल चालीहा महोत्सव के विसर्जन स्थल का निरीक्षण संस्था के अध्यक्ष अमृत राजपाल के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने निरीक्षण किया। इस मौके पर संस्था उपाध्यक्ष राकेश तलरेजा, महामंत्री नरेंद्र क्षेत्रपाल, संस्था मंत्री पुरुषोत्तम दासवानी, सुरक्षा दस्ते के सह प्रभारी सौरभ लखमानी, कमल रावलानी, दीपक रामानी, विनोद हिंगोरानी, विकास आहूजा, एकांत मेघानी, संजय वलेचा, मोनू महाराज, शुभम सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।सिंधु सेवा समिति (रजि.) के अध्यक्ष अमृत राजपाल ने कहा कि 19,20,21 अगस्त प्रभु झूलेलाल महोत्सव को भव्यता प्रदान करने हेतु शोभायात्रा में झाकियों के साथ विसर्जन घाट पर सिंधी व्यंजन के साथ सिंधी मेले का भी आयोजन किया जा रहा व साई नितिन राम जी के सानिध्य में गुप्तार घाट पर भक्ति संध्या का अनूठा संगम होगा।संस्था संरक्षक ओम अंदानी नें बताया कि 19 अगस्त को एक शाम सिंधियत के नाम सिंधी समाज का उभरता कलाकार मास्टर सक्षम कटारिया (रायपुर) एवं 20 अगस्त को एक शाम प्रभु झूलेलाल जी के नाम रॉकस्टार नील (मुंबई) एवं निशी धामेचा (अहमदाबाद) धमाल मचाएंगी।संस्था महामंत्री नरेंद्र क्षेत्रपाल ने बताया कि 19 अगस्त को रामनगर कॉलोनी में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्रीधविधायक तेज नारायण पांडे ष्पवनष एवं 20 अगस्त को कोहिनूर में सिंधी समाज के ष्संदीप भागिया ष(आई .ए. एस.) प्रबंध निदेशक मध्यांचल विद्युत वितरण निगम रहेंगे जो कि सिंधी समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करेंगे।संस्था के मंत्री पुरुषोत्तम दासवानी ने बताया कि नगर निगम व चूक अन्य आदि विभागों से लगातार संपर्क करके शोभायात्रा रूट एवं घाट को व्यवस्थित बनाने हेतु अधिकारियों से वार्ता चल रही है ।

भाकियू ने ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा निकालकर सौपा ज्ञापन

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।संयुक्त किसान मोर्चा एवं भारतीय किसान यूनियन के आवाहन पर नगर पंचायत बीकापुर के बिलारी माफी वार्ड से तहसील मुख्यालय तक भारतीय किसान यूनियन द्वारा ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा निकालकर जोरदार प्रदर्शन किया गया और महामहिम राष्ट्रपति महोदय को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार बीकापुर को सौपकर समस्या समाधान की मांग की गई।ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा का नेतृत्व कर रहे भारतीय किसान यूनियन की राष्ट्रीय महासचिव घनश्याम वर्मा ने बताया कि भारत–अमेरिका ट्रेड डील रद्द करने, सभी फसलों पर ष्250 के आधार पर न्यूनतम समर्थन मूल लागू करने, सभी कृषि ऋण माफ करने, किसानों के सहमति के बिना भूमि अधिग्रहण न करने, विद्युत निजीकरण विधेयक 2025 रद्द करने, यूरिया की कालाबाजारी रोकने, डीजल पेट्रोल की कीमतों पर नियंत्रण करने आदि समस्याओं का समाधान का मांग किया गया। घनश्याम वर्मा ने कहा कि भारत–अमेरिका ट्रेड डील भारत के किसानों के हित में नहीं है यदि अमेरिकी कृषि एवं डेयरी उत्पाद भारत की बाजारों में सस्ते दामों पर उपलब्ध होंगे तो हिंदुस्तान के किसान की कमर टूट जाएगी और आत्महत्या करेगा। घनश्याम वर्मा ने कहा कि भारत देश में सभी वस्तुओं का एम आर पी प्रिंट होता है लेकिन कृषि उत्पाद का न्यूनतम समर्थन मूल्य भी घोषित नहीं होता जो बहुत बड़ा अन्याय है ष2 50 के आधार पर सभी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करके सभी फसलों की खरीदने की गारंटी होनी चाहिए। जिलाध्यक्ष राम गणेश मौर्य व प्रदेश महासचिव अभयराज ब्रह्मचारी ने कहा कि जनपद में यूरिया की कालाबाजारी हो रही है जबकि कृषि विभाग व जिला प्रशासन ने वादा किया था कि किसानों को 266.50 पैसे प्रतिबोरी की दर से यूरिया उपलब्ध कराई जाएगी। प्रदर्शन कारियों ने महामहिम राष्ट्रपति महोदय को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार बीकापुर को सौपा।ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में ट्रैक्टर,भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता ,पदाधिकारी व किसानों ने भाग लिया और जोरदार प्रदर्शन करते हुए शासन–प्रशासन विरोधी तथा अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाए।प्रदर्शन में तहसील अध्यक्ष संतोष वर्मा, मस्तराम वर्मा,डॉ० मंगली,मंसाराम वर्मा, रविंद्र मौर्य, रामगोपाल मौर्य,पारसनाथ वर्मा,राहुल वर्मा चंदू भाई पटेल, विवेक पटेल, सुनील पाल,उर्मिला निषाद,दिनेश मौर्य, बुधीराम मौर्य, राम मनोहर वर्मा,गुड्डू वर्मा,जगदीश यादव, मोहम्मद इमरान, राधेश्याम, प्रमोद कुमार, रिंकू वर्मा, महेंद्र यादव, आदि लोग शामिल रहे।

रक्षाबंधन के अवसर पर राखी के स्पीड पोस्ट बुकिंग पर 10 प्रतिशत विशेष छूट

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर डाक विभाग द्वारा बहनों एवं भाइयों को राखी भेजने की सुविधा को अधिक सरल, सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से राखी के स्पीड पोस्ट बुकिंग पर 10 प्रतिशत विशेष छूट प्रदान की जा रही है।अयोध्या मंडल के अधीक्षक डाकघर, मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि राखी को सुरक्षित रूप से भेजने के लिए डाकघरों के बुकिंग काउंटरों पर विशेष वाटरप्रूफ राखी लिफाफे (जमतचतववचमबपंस तीप म्दअमसवचम) भी उपलब्ध हैं। ये लिफाफे राखी को पानी एवं नमी से सुरक्षित रखने में सहायक हैं तथा विशेष रूप से रक्षाबंधन के अवसर पर राखी प्रेषण के लिए तैयार किए गए हैं।रविवार को भी मिलेगी स्पीड पोस्ट बुकिंग की सुविधाराखी के स्पीड पोस्ट बुकिंग की सुविधा को और अधिक सुगम बनाने के लिए अयोध्या प्रधान डाकघर एवं अकबरपुर प्रधान डाकघर आगामी दोनों रविवारों16 अगस्त 2026 (रविवार),23 अगस्त 2026 (रविवार) को भी खुले रहेंगे तथा राखी के स्पीड पोस्ट बुकिंग की सुविधा उपलब्ध रहेगी।अधीक्षक डाकघर, अयोध्या मंडल मनोज कुमार श्रीवास्तव ने आमजन से अपील की है कि वे अपने भाई–बहनों एवं प्रियजनों को राखी समय से पहुंचाने के लिए निकटतम डाकघर की सेवाओं का लाभ उठाएं। स्पीड पोस्ट बुकिंग पर 10 प्रतिशत विशेष छूट, वाटरप्रूफ राखी लिफाफे तथा रविवार को भी उपलब्ध बुकिंग सुविधा के माध्यम से डाक विभाग रक्षाबंधन के इस पावन पर्व पर अपनों तक प्रेम एवं शुभकामनाएं पहुंचाने को और आसान बना रहा है।

यूपीसीए अंडर-14 ट्रायल में 80 खिलाड़ियों ने दिखाया दम, पहली बार हुआ आयोजन

गोरखपुर, (संवाददाता)। मंडल क्रिकेट एसोसिएशन गोरखपुर से संबद्ध उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के तत्वावधान में मंगलवार को जिले में पहली बार अंडर–14 क्रिकेट खिलाड़ियों का चयन ट्रायल कराया गया। पचपेड़िया मार्ग स्थित क्रिकेट एकेडमी में आयोजित एक दिवसीय ट्रायल में बस्ती, संतकबीरनगर और सिद्धार्थनगर के करीब 80 उदीयमान खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। चयन प्रक्रिया मंडल क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष शफीक सिद्दीकी, पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी एवं चयनकर्ता परवेज हसन खान और बदरे आलम की देखरेख में हुई। ट्रायल से पहले अमिताभ मिश्रा ने सभी खिलाड़ियों के जरूरी दस्तावेजों और प्रपत्रों की जांच की। इसके बाद खिलाड़ियों के खेल कौशल के आधार पर चयन प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। मंडल क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष शफीक सिद्दीकी ने क्रिकेट एकेडमी की सुविधाओं और मैदान की व्यवस्था की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह की सुविधाओं से जिले में क्रिकेट को बढ़ावा मिलेगा। उम्मीद है कि यहां प्रशिक्षण लेने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ी आगे चलकर क्षेत्रीय, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करेंगे। क्रिकेट एकेडमी के निदेशक अनिकेत उपाध्याय ने मंडल क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि बस्ती में यूपीसीए स्तर का ट्रायल होने से स्थानीय खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

अंबेडकर पार्क की भूमि से प्रशासन ने हटाया अतिक्रमण

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। मिल्कीपुर क्षेत्र के मिश्रौली गांव में अंबेडकर पार्क के लिए आरक्षित भूमि से प्रशासन ने अतिक्रमण हटाया है।वहीं गांव निवासी कब्जेदार सुंदरलाल यादव ने आइजीआरएस पोर्टल पर डीएम को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर बिना नोटिस सरकारी अनुदान पर बने शौचालय को ढ़हाने का आरोप लगाया है।शिकायतकर्ता ने ध्वस्तीकरण की कार्यवाही कराने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई और क्षतिपूर्ति की मांग की है।शिकायतकर्ता ने अपने प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि मिश्रौली गांव की गाटा संख्या 312ख, 310क के आंशिक भाग पर पुराना कब्जा है, उक्त भूमि पर प्रधानमंत्री शौचालय योजना के तहत चार व्यक्तियों के शौचालय बने थे।जिसके संबंध में दीवानी न्यायालय में 2019 से मुकदमा विचाराधीन है। 12 अगस्त को बिना किसी लिखित नोटिस के नायब तहसीलदार अमानीगंज, क्षेत्रीय कानूनगो व लेखपाल ने पुलिस बल के साथ बिना किसी लिखित नोटिस के ध्वस्त कर दिया।यूउनका आरोप है कि अतिक्रमण हटाने में भी प्रशासन द्वारा भेदभाव किया गया और दो कब्जीदारों के अवैध कब्जे नहीं हटाए गए। उन्होंने तोड़े गए शौचालय का पुनर्निर्माण कराने अथवा उचित क्षतिपूर्ति दिलाने की मांग की है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।